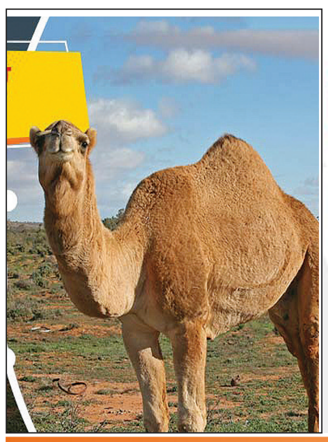

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शरीर के लिए कमाल है ऊंटनी का दूध पेज: 7

पर्सनल ट्रेनर 2 में नया अवतार दिखाएंगी टीना पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 87 | सोमवार 29 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

पीएम मोदी ने रचा नया कीर्तिमान, सेशेल्स की संसद बनी 20वीं विदेशी संसद जिसे किया संबोधित

नई दिल्ली एजेंसी: सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया में वहां की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नया इतिहास रच दिया है। यह दुनिया की 20वीं ऐसी संसद है जिसे पीएम मोदी ने संबोधित किया है। उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत में कहा, "इस नेशनल असेंबली को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री के रूप में आपके सामने खड़ा होना मेरे लिए एक बेहद खास सम्मान की बात है। मैं अपने साथ भारत के 140 करोड़ लोगों की तरफ से आपके लिए ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं लेकर आया हूं।" पीएम मोदी ने याद दिलाया कि साल 2015 में प्रधानमंत्री बनने के बाद हिंद महासागर क्षेत्र में उन्होंने सबसे पहले सेशेल्स का ही दौरा किया था, क्योंकि भारत के विजन में सेशेल्स

का एक बहुत ही खास स्थान है। एक दशक बाद यहां लौटकर उनका यह विश्वास और भी ज्यादा मजबूत हो गया है। उन्होंने सेशेल्स को उसकी आजादी की 50वीं सालगिरह पर बधाई भी दी। छुट्टियांव मौसमी आयोजन मोदी ने 1770 के इतिहास का किया जिक्र पीएम मोदी ने भारत और सेशेल्स के गहरे रिश्तों पर बात करते हुए कहा कि हमारी दोस्ती सिर्फ 50 साल पुरानी नहीं है, जब हमारे डिप्लोमैटिक रिलेशन शुरू हुए थे। यह दोस्ती बहुत पहले, अगस्त 1770 में ही शुरू हो गई थी। जब 'थेलेमाके' जहाज से लोग सेंट ऐन आइलैंड पहुंचे थे, तो उनमें पांच भारतीय भी शामिल थे। उसी यात्रा ने आगे का रास्ता दिखाया और वक्त के साथ भारतीयों की कहानियां मॉडर्न सेशेल्स की कहानी का हिस्सा बन गईं। पीएम मोदी ने कहा, "यह इतिहास हमें याद दिलाता है कि हमारे बीच के ये संबंध किसी सरकार ने नहीं बनाए हैं। इन्हें यहां के लोगों ने

उन्होंने समुद्री सुरक्षा में सहयोग को रेखांकित किया.......

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेशेल्स की संसद को संबोधित करते हुए भारत-सेशेल्स के गहरे ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला और कहा कि हिंद महासागर दोनों देशों को अलग नहीं, बल्कि जोड़ता है। उन्होंने समुद्री सुरक्षा में सहयोग को रेखांकित किया और भविष्य में

बनाया है, परिवारों ने पाला-पोसा है और पीढ़ियों ने इसे जिंदा रखा है। हिंद महासागर ने इसे मुमकिन बनाया है। यह समंदर भारत और सेशेल्स को अलग नहीं करता, बल्कि हमें आपस में जोड़ता है। यही वजह है कि हम अजनबियों की तरह नहीं, बल्कि पुराने दोस्तों की तरह मिलते हैं।" इतिहास नीलगिरि से लेकर क्ठर तरकश तक... प्रधानमंत्री ने दोनों देशों की पार्टनरशिप की गहराई को बयां करते हुए एक और दिलचस्प बात साझा की। उन्होंने कहा कि 50 साल पहले जब सेशेल्स आजाद हो रहा था, तब भारत का एक नौसैनिक जहाज नीलगिरि' दोस्ती और एकजुटता के प्रतीक के रूप में पोर्ट विक्टोरिया में मौजूद था और आज, जब सेशेल्स अपनी आजादी की गोल्डन जुबली मना रहा है, तो भारत के दो आधुनिक युद्धपोत 'INS तरकश' और 'INS इक्षक' पोर्ट विक्टोरिया पर आपके साथ इस जश्न में शामिल हैं। बीते 50 सालों में दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन एक-दूसरे के प्रति हमारा कमिटमेंट आज भी वैसा ही है। मैरीटाइम सिक्योरिटी, कैपेसिटी बिल्डिंग, हाइड्रोग्राफी और मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस में हमारा सहयोग एक सुरक्षित हिंद महासागर के लिए हमारी कमिटमेंट को दिखाता है। हमारा यही विजन हमारे 'महासागर' आइडिया में छिपा है, जो यह मानता है कि हम दोनों का फ्यूचर एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। फ्यूचर जनरेशन के लिए मिलकर काम करने का संकल्प भाषण के आखिरी हिस्से में पीएम मोदी ने भविष्य के रोडमैप पर बात की। उन्होंने कहा कि भारत और सेशेल्स मिलकर फिशरीज, मरीन साइंस, कोस्टल मैनेजमेंट, रिन्यूएबल एनर्जी और सस्टेनेबल टूरिज्म के क्षेत्रों में बेहतरीन पार्टनरशिप बना सकते हैं।

कराची हमला पर पाकिस्तान के आरोपों को भारत ने किया खारिज, दी पुरानी आदत छोड़ने की नसीहत

नई दिल्ली एजेंसी: भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के कराची में हुए हालिया आतंकी हमले को लेकर भारत पर लगाए गए सभी आरोपों को पूरी तरह से बेबुनियाद और मनगढ़ंत बताते हुए खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स और बयानों पर पलटवार करते हुए इस्लामाबाद को कड़ी नसीहत दी है कि वह अपनी पुरानी आदतों से बाज आए। भारत ने साफ शब्दों में कहा है कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक विफलताओं, कमजोरियों और कानून-व्यवस्था की बदहाली को छुपाने के लिए हमेशा की तरह भारत की तरफ उंगली उठाने की कोशिश कर रहा है, जिसे भारत सिरे से खारिज करता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए

राम मंदिर चंदा घोटाला: जिसने खाई राम की पाई, अखिलेश यादव ने नए नारे से बीजेपी को घेरा

लखनऊ एजेंसी: अखिलेश यादव ने प्रयागराज में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाजपा पर तीखा हमला बोला है। अयोध्या और राम मंदिर के मुद्दे पर सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा विपक्ष पर किए गए हमलों का करारा जवाब देते हुए अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि बीजेपी आस्था के नाम पर सिर्फ 'धन और डोनेशन' की राजनीति कर रही है।Kउन्होंने कहा कि जो लोग हमेशा नेशन फर्स्ट की बातें करते थे, आज उनके एक्शन से लग रहा है कि उनके लिए डोनेशन फर्स्ट ही सब कुछ बन चुका है। अखिलेश ने साफ किया कि समाजवादी लोग भी सनातन धर्म की रक्षा चाहते हैं, लेकिन इसकी आड़ में कोई गोरखधंधा या खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सपा प्रमुख ने अयोध्या

की दान पेटी में हुई कथित गड़बड़ियों को लेकर बीजेपी को पूरी तरह कटघरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा, "क्या कोई सोच भी सकता था कि लोगों की अटूट श्रद्धा और आस्था के साथ इतना बड़ा खिलवाड़ होगा? यह पूरी तरह इनकी चतुराई और चालबाजी है।" अखिलेश ने मांग की कि अयोध्या के सीसीटीवी फुटेज सामने आने चाहिए ताकि जनता को पता चले कि कितनी बार कैमरों को बंद किया गया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब तो लोग कह रहे हैं कि सीसीटीवी का असली मतलब ही 'चंदा चोरी, चढ़ावा चोरी' हो गया है। यह बात गांव-गांव तक फैल चुकी है और गरीब महिलाएं अब पूछ रही हैं कि जब चढ़ावे की ही चोरी होनी है, तो हम दान क्यों दें? अखिलेश का नया राइमिंग नारा अखिलेश यादव ने इस पूरे मामले पर चुटकी लेते हुए एक नया और मजेदार नारा भी उछाला। उन्होंने कहा, "चोर-चोर सौतेले भाई, जिन्होंने चुराई राम की पाई, देखो जा रहा वो भाजपाई जिसने खाई राम की पाई।" सपा प्रमुख ने कहा कि जो लोग हमेशा दूसरों पर झूठे आरोप लगाते थे,

आज भगवान ने खुद उनकी इस बड़ी चोरी को पूरी दुनिया के सामने लाकर रख दिया है। सीएम योगी के दौरों पर कसा तंज यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या दौरों पर सवाल उठाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सीएम साहब वहां जाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रहे थे और बार-बार मीडिया में गिनवाते थे कि वे कितनी बार रामलला के दर्शन कर चुके हैं।

पंजाब को अरविंद केजरीवाल की 5 सौगातें, अमृतसर में बनेगा माता जानकी और लव-कुश का भव्य मंदिर

नई दिल्ली एजेंसी: अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के बाद आम आदमी पार्टी के नेशनल कनविनर अरविंद केजरीवाल शनिवार को अमृतसर पहुंचे। वहां उन्होंने पंजाब की जनता के लिए 5 बड़े और ऐतिहासिक ऐलान किए। दुनिया भर के राम भक्तों को सबसे बड़ी खुशखबरी देते हुए केजरीवाल ने कहा कि अमृतसर में भगवान वाल्मीकि मंदिर के ठीक बगल में माता जानकी और लव-कुश का एक बेहद विशाल और भव्य मंदिर बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसी पावन धरती पर माता जानकी रही थीं, लव-कुश का जन्म हुआ था और भगवान वाल्मीकि ने रामायण लिखी थी। 22 शहरों में गूंजेंगे शिव जी के भजन अमृतसर में आयोजित 'एक शाम भगवान शिवजी के नाम भजन

संध्या के दौरान केजरीवाल ने कहा कि पंजाब की भगवंत मान सरकार लोगों की भक्ति के लिए इस तरह के शानदार प्रोग्राम करवा रही है। इससे पहले यह भजन संध्या जालंधर में हुई थी, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। अब इस सिलसिले को और बड़ा करते हुए पंजाब के सभी 22 शहरों में 'एक शाम शिव जी के नाम' कार्यक्रम और भजन संध्या का ग्रैंड आयोजन किया जाएगा। 80 करोड़ से चमकेगा पटियाला का काली माता मंदिर केजरीवाल ने दूसरी बड़ी खुशखबरी देते हुए बताया कि पटियाला के ऐतिहासिक काली माता मंदिर का कायाकल्प होने जा रहा है। पंजाब सरकार करीब 80 करोड़ रुपये खर्च करके इस मंदिर का पुनर्विकास कर रही है। इसका आर्किटेक्ट मॉडल बेहद शानदार है और काम बहुत तेजी से चल रहा है। सितंबर तक यह काम पूरा हो जाएगा, जिसके बाद यह पूरे नॉर्थ इंडिया का सबसे भव्य और बड़ा मंदिर बनकर तैयार होगा। केजरीवाल ने लोगों से अपील की कि वे अक्टूबर के बाद माता के दर्शन करने जरूर जाएं। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना में 3 नए रूट्स की एंट्री तीसरी खुशखबरी 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' को लेकर है। अभी तक यह यात्रा सिर्फ दो रूट्स (दरबार साहिब और आनंदपुर साहिब) के लिए चल रही थी, लेकिन 1 अगस्त से इसमें तीन नए रूट्स जोड़े जा रहे हैं। अब लोग सालासर-खाटू श्याम जी, हरिद्वार-ऋषिकेश और मथुरा-वृंदावन की यात्रा भी कर सकेंगे। सरकार का टारगेट इन नए रूट्स पर करीब डेढ़ लाख यात्रियों को दर्शन कराने का है।

टीईटी पेपर लीक पर सियासी घमासान, राहुल गांधी बोले- हर युवा असुरक्षित, ये भविष्य की चोरी है

नई दिल्ली एजेंसी: महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 2026 को शनिवार को टाल दिया गया, क्योंकि कथित तौर पर प्रश्न पत्र के कुछ हिस्से लीक हो गए थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि देश की शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को "वसूली का तंत्र" बना दिया गया है। यह परीक्षा रविवार को होनी थी। एक और पेपर लीक। एक और परीक्षा रद्द। इस बार महाराष्ट्र की टीईटी परीक्षा। कांग्रेस सांसद ने एक्स पर कहा देश के शिक्षा और परीक्षा सिस्टम को उगाही का जरिया बना दिया गया है, जिससे देश का हर युवा असुरक्षित महसूस कर रहा है। यह सिर्फ. पेपर लीक नहीं है, बल्कि युवाओं के भविष्य की चोरी है। इससे पहले, महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद (एमएससीई) ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि भिवंडी में पुलिस जांच के दौरान कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक होने की बात सामने आने के बाद, पूरे राज्य में 28 जून को होने वाली

शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को स्थगित कर दिया गया है। यह परीक्षा पूरे महाराष्ट्र में 1,028 केंद्रों पर आयोजित की जानी थी। एमएससीई ने अपनी सार्वजनिक सूचना में कहा कि नीट 2026 परीक्षा के दौरान सामने आई गड़बड़ियों को देखते हुए उसने सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम किए थे, लेकिन शनिवार की सुबह मिली गोपनीय जानकारी से पता चला कि भिवंडी में कुछ लोगों के पास टीईटी प्रश्न-पत्र से जुड़ी जानकारी थी। काउंसिल ने बताया कि भिवंडी पुलिस ने उस जगह पर छापा मारा और जांच के दौरान पाया कि अनधिकृत प्रश्न-पत्र के कई सवाल असली टीईटी परीक्षा के प्रश्न-पत्र से मेल खाते थे।

बयान के अनुसार, भिवंडी पुलिस ने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। काउंसिल ने कहा, हालात को देखते हुए, 28 जून 2026 को होने वाली टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) को टाल दिया गया है। इस मामले की विस्तृत जांच के आदेश भी दिए गए हैं।" साथ ही यह भी बताया गया कि परीक्षा से जुड़ी नई जानकारी काउंसिल की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

राजनाथ सिंह का बयान अफवाहों का था जवाब, ऑपरेशन सिंदूर पर भ्रम फैलाने वालों को एमओडी ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर साफ किया कि 28 जुलाई, 2025 को संसद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के भाषण को चुनिंदा तौर पर उद्धृत किया गया, ताकि गलत मतलब निकाला जा सके कि सिंह ने दावा किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक की जान नहीं गई। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि ये बातें जानबूझकर गुमराह करने वाली और तथ्यों के लिहाज से गलत हैं। यह उन रिपोर्टों के जवाब में है जिनमें कहा गया था कि सरकार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान शहीद हुए छह जवानों के नाम जारी किए हैं, जबकि संसद में अपने पिछले भाषण के दौरान राजनाथ सिंह ने कहा था कि पाकिस्तान के साथ चार दिन के संघर्ष में भारत का कोई भी जवान शहीद नहीं हुआ। रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि जिन लोगों ने मंत्री के संसदीय भाषण को लेकर विवाद खड़ा करने की कोशिश की है, उन्होंने जानबूझकर उनकी बातों के पूरे संदर्भ को नजरअंदाज किया है। मंत्रालय ने कहा कि यह याद रखना जरूरी है कि सिंह के भाषण के समय मीडिया के कुछ हिस्सों और सोशल मीडिया पर एक बात बहुत जोर-शोर से चल रही थी कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय पायलट मारे गए थे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह कहानी पूरी तरह से झूठी थी, फिर भी इसे जोर-शोर से फैलाया जा रहा था ताकि ऑपरेशन की सफलता को कम किया जा सके और लोगों का मनोबल गिराया जा सके। रक्षा मंत्री ने इसी खास और शरारतपूर्ण कहानी के जवाब में वह बयान दिया था। मंत्रालय ने कहा कि इसलिए, उनकी टिप्पणी उस झूठ का एक लक्षित और संदर्भ-विशेष जवाब थी, जो उस समय तेजी से फैल रहा था। उनके बयान का ज़िक्र करते हुए

एक ही विमान में फडणवीस और उद्धव ठाकरे, क्या कोई नई खिचड़ी पक रही है?

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (यूटीबी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को मुंबई से नागपुर की एक ही फ़्लाइट में साथ देखा गया, जिससे राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हो गईं। ठाकरे के साथ उनके बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य, और पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत भी इंडिगो की फ़्लाइट से नागपुर गए। सोशल मीडिया पर एक वीडियो क्लिप भी वायरल हुआ, जिसमें विरोधी पार्टियों के नेता एक ही लाइन में, रास्ते (आइल) के दोनों तरफ बैठे हुए दिखे। समाचार एजेंसियों ने इस घटना की पुष्टि की। नागपुर फडणवीस का गृह-नगर है, जबकि ठाकरे गुट वहां शिवसेना की एक रैली के लिए जा रहा था। शिवसेना नेता विदर्भ और मराठवाड़ा के तीन दिन के दौरे पर हैं। इस दौरे में वे उन छह बागी सांसदों के चुनाव क्षेत्रों का भी दौरा कर रहे हैं, जो पिछले हफ़्ते एकनाथ शिंदे के गुट में शामिल हो

गए थे। अपनी यात्रा को लेकर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए फडणवीस ने मजाकिया अंदाज में कहा कि तीनों नेताओं की मुलाकात दिन की सबसे बड़ी खबर थी। उन्होंने टीवी9 मराठी से कहा उद्धव ठाकरे, संजय राउत और मैं हम तीनों एक ही फ़्लाइट में साथ थे, यही सबसे बड़ी खबर है। बीजेपी और विपक्ष के नेताओं ने किसी भी तरह की राजनीतिक अटकलों को खारिज करते हुए इस मुलाकात को महज एक संयोग बताया है। हालांकि, यह घटनाक्रम शिवसेना (यूबीटी) के छह बागी नेताओं के पाला बदलकर प्रतिद्वंद्वी शिंदे गुट में शामिल होने के कुछ दिनों बाद हुआ है। इसे महज एक संयोग बताते हुए बीजेपी नेता राम कदम ने इस मुलाकात को ज्यादा तवज्जो नहीं दी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद नेताओं के निजी संबंध भी होते हैं। कदम ने एएनआई से कहा कि सब कुछ गंवाने के बाद अगर उद्धव ठाकरे जनता के बीच जाते हैं, तो यह महज एक दिखावा है। क्या उन्होंने अपनी जिंदगी में कभी चार्टर्ड प्लेन को छोड़कर इस तरह इंडिगो की फ्लाइट में सफर किया है? यह सिर्फ एक स्टंट है।

राम भक्तों पर गोली चलाने वाले.... हाथरस में सीएम योगी का अखिलेश यादव पर वार

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को हाथरस के सलेमपुर इंडस्ट्रियल एरिया पहुंचे। अपने इस दौरे पर सीएम योगी ने हाथरस की जनता को 548 करोड़ रुपये की लागत वाली 143 विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी। उन्होंने वहां लोकल प्रोडक्ट्स के स्टॉल्स का मुआयना किया, सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक बांटे और साथ ही छोटे बच्चों को अपने हाथों से खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन भी कराया। राम भक्तों पर गोली चलाने वाले अब अयोध्या की बात कर रहे हैं प्रोग्राम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव के एक बयान पर जमकर चुटकी ली। योगी ने कहा, "अखिलेश यादव कह रहे हैं कि उनकी सरकार आएगी तो वे अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाएंगे। अरे, आप क्या बनाएंगे! अपना इतिहास तो देखिए, राम भक्तों पर गोली आप ही के लोगों और आपकी सरकार ने चलाई थी।" उन्होंने आगे कहा कि आज जब पीएम मोदी के नेतृत्व में अयोध्या त्रेता युग जैसी चमक रही है, तो विपक्ष के मुंह में भी पानी आने लगा है। पैसे के डायवर्जन पर सीएम योगी का बड़ा बयान सीएम योगी ने सपा सरकार के पुराने दिनों की याद

दिलाते हुए कहा कि उनके समय में थानों और जेलों में कृष्ण जन्माष्टमी मनाने पर रोक थी और कांवड़ यात्रा पर भी बैन लगा दिया गया था। उन्होंने कहा, "आज हाथरस में 22 से ज्यादा मंदिरों का सुंदरीकरण हुआ है। क्या यह सपा के राज में मुमकिन था? बिल्कुल नहीं, क्योंकि उनके समय में विकास का पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्रीवॉल के लिए जाता था। हमारी सरकार ने वही पैसा मंदिरों की तरफ डायवर्ट किया है, क्योंकि कब्रिस्तान की नहीं, आस्था के केंद्र मंदिरों की जरूरत है।" अयोध्या की चिंता छोड़ें, अखिलेश को योगी की

हाथरस में सीएम योगी आदित्यनाथ ने विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करते हुए अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला और राम भक्तों पर गोली चलाने की घटना याद दिलाई। उन्होंने सपा पर विकास का पैसा कब्रिस्तान की दीवारों पर लगाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी सरकार मंदिरों के सुंदरीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

सलाह योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव को नसीहत देते हुए कहा कि अयोध्या को राम भक्तों ने पहले ही पूरी तरह सजा और संवार दिया है। अब वे उसकी चिंता छोड़ें, अपने पुराने किए पर पश्चाताप करें और एक बार जाकर रामलला के दर्शन कर लें ताकि उन्हें थोड़ी सद्बुद्धि आए। सीएम ने चैलेंज देते हुए कहा, "अगर आप सचमुच खुद को धार्मिक दिखाना चाहते हैं, तो अब मथुरा-वृंदावन और श्री कृष्ण जन्मभूमि पर खुलकर बोलिए। कहिए कि राम जन्मभूमि आंदोलन की तरह कृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति का भी अभियान चलना चाहिए।" मुल्ला-मौलवियों के सामने घुटने टेकने वाले विकास क्या करेंगे? सीएम योगी ने विपक्ष पर हमला जारी रखते हुए कहा कि उनकी सरकार मथुरा-वृंदावन में श्रद्धालुओं को वर्ल्ड-क्लास सुविधाएं देने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही है। लेकिन विपक्ष में इसके लिए हिम्मत नहीं है। उन्होंने तीखा तंज कसते हुए कहा, "आपके पास मुल्ला और मौलवियों के सामने घुटने टेकने के सिवाय कोई और एजेंडा नहीं है। आपके पास अयोध्या, मथुरा या काशी की पौराणिक पहचान को बचाने की कोई सोच नहीं है। इसलिए जनता की आंखों में धूल झोंकना बंद करिए और 'खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे' वाली कहावत को सच मत करिए। अयोध्या अपनी पहचान के लिए किसी की मोहताज नहीं है।"

संपादकीय

पासपोर्ट फीस बढ़ी और नागरिकता पर सवाल

विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने, रोजगार पाने या फिर भ्रमण का सपना संजोने वाले लोगों को अब पासपोर्ट बनवाने के लिए अपनी जेब और अधिक ढीली करनी पड़ेगी। सरकार ने पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है, जिसके तहत अब 36 पन्नों के सामान्य पासपोर्ट के लिए 1,500 रुपए की जगह 2,500 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि तत्काल सेवा के लिए 3,500 रुपए के बजाय 5,000 रुपए देने होंगे। सरकार की ओर से शुल्क बढ़ोतरी का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसका असर निश्चित रूप से उन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर पड़ेगा, जिनके बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने के अवसर मिलते हैं। साथ ही उन श्रमिकों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जो विदेश में रोजगार के जरिए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना चाहते हैं। इसी के साथ पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न मानने को लेकर भी विवाद पैदा हो गया है। सड़कों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक यह सवाल उठने लगा है कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय विद्यार्थियों का विदेश जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने में खासा रुझान देखा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में 12 लाख से अधिक भारतीय विद्यार्थी विभिन्न देशों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे थे, लेकिन अब इन छात्रों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है। विदेशी शिक्षा संस्थानों में बढ़ती फीस और वीजा नियमों में की जा रही सख्ती से देश के छात्रों के कदम ठिठक रहे हैं। ऐसे में पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी उनके इरादों को और कमजोर कर सकती है। इसी तरह विदेश में रोजगार के लिए जाने वाले श्रमिक वर्ग पर भी इसका विपरीत असर पड़ने की आशंका है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024 में करीब साढ़े तीन लाख भारतीय श्रमिक विदेश गए थे। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या आर्थिक स्थिति के आधार पर पासपोर्ट आवेदन शुल्क में रियायत नहीं दी जा सकती है। सरकार का मकसद केवल राजस्व अर्जित करना ही नहीं, बल्कि आम लोगों की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देना भी होना चाहिए।

चिंतन-मनन

जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं खुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब खुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और खुशहाली फिर लौट आएगी। सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम खुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे लेकिन अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। ध्यान और प्रार्थना के द्वारा हम शांत स्थान पर पहुंच सकते हैं। हमारे अंतर में समस्त दैवी खजाने हैं। हम मात्र शरीर और मन नहीं हैं, बल्कि हम आत्मा हैं। आत्मा ज्योति, प्रेम और आनंद से भरपूर है। यह हर समय प्रभु से जुड़ी रहती है। सृजनात्मक शक्ति यानी प्रभु और आत्मा एक ही तत्त्व के बने हैं। अगर हम प्रतिदिन अपना कुछ समय अंतरात्मा की शांति में व्यतीत करें तो हम आनंद के एक स्थान से जुड़ जाएंगे। तब बाहरी परिस्थितियां प्रभावित नहीं करेंगी। अगली बार हमें दुख-दर्द हो तो हम याद रखें, यह समय भी बीत जाएगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

एनडीए कुनबे में सांसद बढ़े पर बढ़ गया अंदरूनी असंतोष

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति में इस समय एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिल रहा है। विपक्ष के सांसदों की टूट-फूट से सत्ताधारी एनडीए का कुनबा लगातार बड़ा हो रहा है। ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि सरकार पहले से कहीं अधिक मजबूत और सुरक्षित हो चुकी है। लेकिन जब हम दिल्ली के राजनीतिक गलियारों और संसद के आंकड़ों की गहराई में जाते हैं, तो कहानी कुछ और ही नजर आती है। बाहर से ताकतवर दिख रही इस सरकार के भीतर तनाव की एक नई लहर दौड़ गई है।

साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर बहुमत का जाजुई आंकड़ा नहीं छू सकी थी। तब एनडीए ने 293 सीटों के साथ सरकार का गठन किया था। सरकार को टिकाए रखने के लिए 272 सांसदों की जरूरत होती है। हाल के दिनों में विपक्षी खेमे, खासकर टीएमसी और शिवसेना, जैसे दलों से सांसदों के पाला बदलने के कारण अब एनडीए का आंकड़ा 313 के पार पहुंच चुका है। सीधे गणित से देखें तो अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इस सरकार को गिराना विपक्ष के लिए पूरी तरह असंभव है। सरकार गिरने का कोई तात्कालिक खतरा नहीं है, इसलिए सरकार के पूरी तरह अस्थिर होने का दावा तकनीकी रूप से गलत साबित होता है। लेकिन असली पेंच सरकार के बने रहने का नहीं, बल्कि उसके कामकाज और आंतरिक तालमेल का है। सरकार का कुनबा तो बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ ही गठबंधन के भीतर तनाव भी चरम पर पहुंच गया है। इस समय सबसे बड़ी अटकलें मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल को लेकर लगाई जा रही हैं। बाहर से आए दिग्गज नेताओं को संतुष्ट करने के लिए उन्हें सरकार में जगह देनी होगी। इसकी वजह से मौजूदा कई मंत्रियों पर भारी दबाव देखा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि नए चेहरों को एडजस्ट करने के लिए कई पुराने और कद्दावर मंत्रियों की छुट्टी की जा सकती है या उनसे भारी-भरकम मंत्रालय छीने जा सकते हैं। इस संभावित फेरबदल की वजह से मंत्रियों और मूल पार्टी कार्यकताओं के बीच असंतोष की आग सुलगने लगी है। पुराने नेताओं को लगने लगा है कि बरसों तक पार्टी के लिए खून-पसीना बहाने के बाद भी, ऐन मौके पर दलबदलुओं को तवज्जो दी जा रही है। तनाव का दूसरा बड़ा कारण गठबंधन की छोटी और क्षेत्रीय पार्टियों में देखा जा रहा है। नीतीश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी जैसे दल अब अपने राजनीतिक अस्तित्व को लेकर गहरे संकट और चिंता में हैं। दरअसल, जब एनडीए के पास 293 सीटें थीं, तब इन छोटे दलों की बैसाखियों के बिना सरकार एक कदम भी नहीं चल सकती थी। लेकिन अब विपक्ष से आए सांसदों के कारण सरकार का अपना आंकड़ा 313 पार कर गया है। इस नए समीकरण ने छोटे दलों की सौदेबाजी की ताकत को लगभग खत्म कर दिया है। उन्हें डर है कि भाजपा अब उनके क्षेत्रीय हितों को नजरअंदाज कर सकती है, जिससे उनके राज्यों में उनका वजूद ही खतरे में पड़ जाएगा।इस राजनीतिक उठापटक के बीच, हालिया विवादों ने सरकार की सुशासन की छवि पर भी दबाव बना दिया है। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का बड़ा मामला सामने आने से जहां एक तरफ धार्मिक और राजनीतिक बहस छिड़ गई है, वहीं दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़ा भूमि आवंटन का ताजा प्रकरण भी विपक्ष के हाथों में बड़ा मुद्दा बन गया है। इन दोनों ही गंभीर मामलों ने भाजपा को रक्षात्मक मुद्रा में ला खड़ा किया है, जिससे संगठन के भीतर का आपसी तनाव और अधिक गहरा गया है। इस पूरे दलबदल के पीछे सरकार की अपनी एक बड़ी रणनीति भी छिपी है। सरकार संसद में मनमाने और कड़े बिल पारित कराना चाहती है। भाजपा का मुख्य एजेंडा सिर्फ सरकार चलाना नहीं, बल्कि परिसीमन और एक देश, एक चुनाव जैसे बड़े संवैधानिक सुधारों को लागू करना है। इन ऐतिहासिक बदलावों के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत यानी 362 सीटों की जरूरत होती है। सरकार इसी जादुई आंकड़े को छूने के लिए विपक्ष में तोड़फोड़ कर रही है। हालांकि, इतने सांसदों को जोड़ने के बाद भी सरकार अभी दो-तिहाई के आंकड़े से दूर है, जिससे विधायी स्तर पर उसकी राह अब भी आसान नहीं दिखती। कुल मिलाकर देखें तो यह दावा पूरी तरह सही है कि सांसदों के आने से एनडीए का संख्या बल तो बढ़ा है, लेकिन सरकार के भीतर आंतरिक तनाव और असंतोष अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया है। सरकार की उम्र भले ही लंबी हो गई हो, लेकिन मंत्रियों की कुर्सी छिनने का डर, पुराने नेताओं की नाराजगी, क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व का संकट और हालिया भ्रष्टाचार के आरोप इस सरकार की राजनीतिक स्थिरता को अंदर ही अंदर खोखला कर रहे हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस- आंकड़ों से आत्मनिर्भरता तकः सांख्यिकी की बढ़ती शक्ति

योगेश कुमार गोयल

आंकड़ों से भविष्य गढ़ने का विज्ञान है सांख्यिकी...

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सांख्यिकी (स्टैटिस्टिक्स) के उपयोग को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 29 जून को 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' मनाया जाता है। आर्थिक नियोजन और सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा दिए गए उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए भारत सरकार द्वारा उनकी जयंती को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाने के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था और इस आशय की अधिसूचना भारत के राजपत्र में 5 जून 2007 को प्रकाशित की गई थी। 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' का वर्ष 2026 का विषय है 'प्रशासनिक डेटा की क्षमता को उजागर करना', जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि सरकारी विभागों द्वारा प्रतिदिन एकत्र किए जाने वाले विशाल प्रशासनिक आंकड़े केवल अभिलेख नहीं हैं बल्कि वे नीति निर्माण, सेवा वितरण, पारदर्शिता, जवाबदेही और समावेशी विकास के सबसे प्रभावी उपकरण बन सकते हैं। 29 जून 1893 को कलकत्ता में जन्मे प्रो. पी.सी. महालनोबिस जाने-माने भारतीय सांख्यिकीविद् थे, जिन्होंने 'महालनोबिस दूरी' तैयार करने के अलावा दूसरी पंचवर्षीय योजना में औद्योगीकरण के लिए भारत की रणनीति तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने दो डेटा सेटों के बीच तुलना का एक माप तैयार किया था, जिसे अब 'महालनोबिस दूरी' के रूप में जाना जाता है। प्रो. महालनोबिस ने 17 दिसम्बर 1931 को कलकत्ता में भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना की थी, जिसे 1959 में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। 1950 में उन्होंने राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकीय गतिविधियों के समन्वय के लिए केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन की स्थापना की।

प्रो. महालनोबिस एक प्रशिक्षित भौतिक विज्ञानी थे, जिन्होंने अपने शिक्षक डब्ल्यू एच मैकाले के कहने पर 'बायोमेट्रिका' नामक एक किताब पढ़ी और वह किताब पढ़ने के बाद ही उनका रुझान सांख्यिकी की ओर होने लगा था। उसके बाद ही उन्होंने पता लगाया कि मौसम विज्ञान और मानव विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में सांख्यिकी का उपयोग किया जा सकता है। यही उनके वैज्ञानिक जीवन में बेहद महत्वपूर्ण क्षण साबित हुआ। भारत में एंथ्रोपोमेट्री अथवा मानव माप के अध्ययन के क्षेत्र में वे अग्रणी थे और उन्होंने बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण तथा नमूनाकरण विधियों के डिजाइन में भी सहायता की। उन्होंने फेल्डमैन-महालनोबिस मॉडल बनाया, जो आर्थिक विकास का एक नव-मार्क्सवादी मॉडल था, जिसका उपयोग भारत की दूसरी पंचवर्षीय योजना में किया गया, जिसने देश में तेजी से औद्योगीकरण को बढ़ावा दिया। उन्होंने भारत के पहले योजना आयोग में भी काम किया और उन्हें उनके महत्वपूर्ण कार्यों के लिए पद्म विभूषण सहित कई पुरस्कार मिले। बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण करने के लिए उन्होंने नई तकनीकों का आविष्कार किया और अव्यवस्थित नमूने की विधि का उपयोग करके एकड़ और फसल की पैदावार की गणना की। लोगों के विभिन्न समूहों की सामाजिक आर्थिक स्थितियों की तुलना करने के लिए उन्होंने फ्रैक्टाइल ग्राफिकल विश्लेषण नामक एक सांख्यिकीय पद्धति भी तैयार की। बाढ़ नियंत्रण के लिए उन्होंने सांख्यिकी को आर्थिक नियोजन में भी लागू किया। 28 जून 1972 को कलकत्ता में प्रो. महालनोबिस का निधन हो गया। सांख्यिकी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों और योगदान के सम्मान में ही हर साल 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है।

माना जाता है कि सांख्यिकी की उत्पत्ति हजारों वर्ष पूर्व की गई जनगणना में हुई थी लेकिन एक विशिष्ट वैज्ञानिक अनुशासन के रूप में इसे 19वीं शताब्दी की शुरूआत में आबादी, अर्थव्यवस्थाओं और नैतिक कार्यों के अध्ययन के रूप में और बाद में उस शताब्दी में ऐसी संख्याओं के विश्लेषण के लिए गणितीय उपकरण के रूप में विकसित किया गया था। राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सही मायनों में लोगों को यह समझाता है कि नीतियों को आकार देने और तैयार करने में सांख्यिकी किस प्रकार मदद करती है और इस दिवस को मनाते हुए यह उम्मीद की जाती है कि यह आयोजन सामाजिक-आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में सांख्यिकी की भूमिका के बारे में विशेषकर युवा वर्ग में जागरूकता बढ़ाएगा। प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी के संबंध में रिपोर्ट भेजने के लिए हम प्रायः कुछ एजेंसियों अथवा विभागों की घोषणाओं पर ही भरोसा करते हैं। दरअसल भूकम्प, मौसम और ज्वालामुखी संबंधी भविष्यवाणियों की गणना सांख्यिकीय तरीकों की एक श्रृंखला के माध्यम से ही की जाती है। रिकॉर्ड और फॉमूर्ले के बगैर हम यह अनुमान ही नहीं लगा सकते कि नवीनतम तूफान या कोई बड़ा भूकम्प कब आएगा और ऐसे में हम इसके अभाव में समय रहते आवश्यक सावधानियां नहीं बरत सकते। इसके लिए आंकड़े ही हमें सचेत करते हैं ताकि हम आपातकालीन स्थिति के लिए पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकें, जिससे जान-माल का नुकसान न्यूनतम हो सके।

सांख्यिकी अनुभवजन्य डेटा एकत्र करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और प्रस्तुत करने के तरीकों के विकास और अध्ययन से संबंधित विज्ञान है। यह गणित की वह शाखा है, जिसमें आंकड़ों का संग्रहण, प्रदर्शन, वर्गीकरण और उसके गुणों के आकलन का अध्ययन किया जाता है। सांख्यिकी एक गणितीय

विज्ञान है, जिसमें किसी वस्तु, अवयव, तंत्र अथवा समुदाय से संबंधित आंकड़ों का संग्रह, विश्लेषण, व्याख्या या स्पष्टीकरण और प्रस्तुति की जाती है। सांख्यिकी की सहायता से ही देश में अशिक्षा, बेरोजगारी, अपराध, भिक्षावृत्ति इत्यादि विभिन्न सामाजिक समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की जाती है, साथ ही इन समस्याओं के समाधान के उपाय तथा वे उपाय कहां तक सफल हुए हैं, इनका पता भी सांख्यिकी की मदद से ही लगाया जा सकता है। सांख्यिकी में आंकड़े दो प्रकार के होते हैं, वर्णनात्मक और अनुमानात्मक, जिनका उपयोग ज्यादातर रिकॉर्ड रखने, संभावनाओं की गणना करने और ज्ञान प्रदान करने के लिए किया जाता है। यह हमें संख्याओं और अन्य मात्रात्मक जानकारी के माध्यम से दुनिया को थोड़ा बेहतर ढ़ंग से समझने में मदद करता है, अर्थात ऐसी संख्याएं, जो किसी तथ्य पर प्रकाश डालती हों, आंकड़े कहलाती हैं। आंकड़े सदैव संख्या में ही व्यक्त किए जाते हैं और यह गणनात्मक होते हैं। आंकड़ों का संग्रहण किसी पूर्व निश्चित उद्देश्य के लिए ही किया जाता है, हालांकि आंकड़ों का संकलन करते समय उनकी शुद्धता एवं सत्यता पर विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी होता है।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेशी यात्राएँ भारत के लिए अर्थलाभदायक?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ केवल औपचारिक कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने भारत की वैश्विक पहचान, आर्थिक हितों और सामरिक प्रभाव को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का कार्य किया है। वर्ष 2014 में सत्ता संभालने के बाद से लेकर जून 2026 तक प्रधानमंत्री मोदी लगभग 100 विदेश यात्राएँ कर 78 देशों का दौरा कर चुके हैं। यह आँकड़ा स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारत ने बीते एक दशक में विश्व मंच पर अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?

भारत की विदेश नीति आज केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीक, रक्षा सहयोग और वैश्विक प्रभाव बढ़ाने का माध्यम भी बन चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों, अफ्रीका तथा हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ संबंधों को नई दिशा देने का प्रयास किया है। हाल की उनकी सेशेल्स हिंद महासागर में स्थित एक खूबसूरत द्वीपीय देश है। यात्रा भी समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक भूमिका को मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इन यात्राओं का सबसे बड़ा लाभ आर्थिक क्षेत्र में दिखाई देता है। वैश्विक कंपनियों के साथ संपर्क बढ? से भारत में निवेश आकर्षित हुआ है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विनिर्माण क्षेत्र में भारत को नई संभावनाएँ मिली हैं। हाल के वर्षों में अनेक वैश्विक कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश की घोषणाएँ की हैं, जिससे रोजगार और औद्योगिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

रणनीतिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति पहले की तुलना में अधिक सशक्त हुई है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है और छोटे द्वीपीय देशों के साथ

रक्षा एवं समुद्री सहयोग बढ़ा रहा है। सेशेल्स को भारत निर्मित गश्ती पोत सौंपना इसी नीति का हिस्सा है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्वीकार्यता भी बढ़ी है। अनेक देशों ने भारत की वैश्विक भूमिका का समर्थन किया है तथा भारत को एक उभरती महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की भारतीय दावेदारी को भी विभिन्न देशों का समर्थन प्राप्त हो रहा है।

हालाँकि, विदेश यात्राओं की सफलता का मूल्यांकन केवल स्वागत समारोहों और समझौतों की संख्या से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना आवश्यक है कि कितने समझौते धरातल पर उतरते हैं, कितना निवेश वास्तव में आता है और उससे देश के आम नागरिक को कितना लाभ मिलता है। कुछ मामलों में व्यापारिक विवाद, वैश्विक तनाव और भू-राजनीतिक चुनौतियाँ भी भारत के सामने बनी हुई हैं।

आधुनिक विश्व व्यवस्था में सक्रिय कूटनीति किसी भी उभरती शक्ति के लिए अनिवार्य है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं ने भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत किया है, नए साझेदार बनाए हैं और भारत को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावशाली स्थान दिलाने का प्रयास किया है। लेकिन इन यात्राओं की वास्तविक सफलता का पैमाना यही होगा कि वे देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार, सुरक्षा और आम नागरिक के जीवन में कितनी सकारात्मक परिवर्तनकारी भूमिका निभाती हैं।

विदेश नीति का अंतिम उद्देश्य राष्ट्रीय हितों की पूर्ति होना चाहिए। यदि विदेश यात्राएँ निवेश, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक शक्ति के रूप में भारत को लाभ पहुँचा रही हैं, तो उन्हें केवल राजनीतिक दृष्टि से नहीं बल्कि राष्ट्रीय विकास की व्यापक रणनीति के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका इसी संतुलित और परिणामोन्मुख कूटनीति पर निर्भर करेगी।

आलेख के बीच में

सेशेल्स यात्राः हिन्द महासागर में सहयोग और सामरिक साझेदारी की नई दिशा

भारत और सेशेल्स के बीच संबंध केवल कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे साझा समुद्री हितों, सुरक्षा सहयोग और विकास की साझी आकांक्षाओं पर आधारित हैं। सेशेल्स की यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के साथ-साथ हिन्द महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के साझा लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेगी। हिन्द महासागर आज वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक प्रतिस्पर्धा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता केवल तटीय देशों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। सेशेल्स, भौगोलिक दृष्टि से छोटा द्वीपीय राष्ट्र होने के बावजूद हिन्द महासागर की समुद्री सुरक्षा व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारत ने हमेशा सागर अर्थात सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन की नीति के माध्यम से हिन्द महासागर क्षेत्र में सहयोग, विश्वास और साझा विकास को प्राथमिकता दी है। इसी नीति के तहत भारत ने सेशेल्स के साथ रक्षा, समुद्री निगरानी, तटरक्षक सहयोग, क्षमता निर्माण तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में निरंतर साझेदारी विकसित की है। समुद्री डकैती, अवैध मछली पकड?, तस्करी और अन्य समुद्री अपराधों से निपटने में भी दोनों देशों का सहयोग महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

सेशेल्स की यात्रा इस बात का संकेत है कि भारत अपने पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल रणनीतिक नजरिये से नहीं देखता, बल्कि उन्हें विकास के विश्वसनीय भागीदार के रूप में भी मान्यता देता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी, अक्षय ऊर्जा और ब्लू इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। विशेष रूप से ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्र में दोनों देश समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आज जब हिन्द महासागर क्षेत्र में वैश्विक शक्तियों की सक्रियता बढ़ रही है, तब भारत और सेशेल्स के बीच मजबूत होते संबंध क्षेत्रीय संतुलन और सामूहिक सुरक्षा के लिए भी आवश्यक हैं। यह साझेदारी किसी प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि सहयोग, विश्वास और साझा हितों पर आधारित व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास है। छोटे द्वीपीय देशों की विकास संबंधी चुनौतियों और जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने में भारत की भूमिका एक विश्वसनीय मित्र और विकास सहयोगी के रूप में उभर रही है। सेशेल्स यात्रा दोनों देशों के संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाएगी। इससे हिन्द महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग को नई गति मिलेगी तथा एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द महासागर के निर्माण की साझा दृष्टि को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ऐसी साझेदारियाँ ही क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक प्रगति और दीर्घकालिक शांति की आधारशिला सिद्ध होंगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

सैदनगली पुलिस ने शातिर गोकश व वाहन चोर किया गिरफ्तार

02 चोरी की बाइक, तमंचा-कारतूस बरामद, एक हिस्ट्रीशीटर निकला

सैदनगली/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सैदनगली पुलिस ने 27 जून को दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पकड़े गए बदमाश गोकशी व बाइक चोरी में लिप्त थे। एएसपी अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन व सीओ हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान दोनों को दबोचा। तलाशी में उनके कब्जे से 02 चोरी की मोटरसाइकिल, 01 अवैध तमंचा .315 बोर व 02 जिंदा कारतूस बरामद हुए। बरामद बाइकों के कागजात चेक करने पर चोरी की पुष्टि हुई। दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों लंबे समय से वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। गिरफ्तार दानिश थाना सैदनगली का हिस्ट्रीशीटर है। उस पर गोकशी, गैंगस्टर एक्ट, शस्त्र अधिनियम समेत कई संगीन मुकदमे दर्ज हैं। दूसरा आरोपी इरफान के खिलाफ भी विभिन्न जिलों में चोरी, मारपीट व शस्त्र अधिनियम के केस दर्ज हैं। दोनों से अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है। एसपी लखन सिंह यादव ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस" नीति पर कार्रवाई जारी रहेगी। वाहन चोरी, अवैध शस्त्र व संगठित अपराध में लिप्त लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। आमजन से संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई है।

आपसी विवाद में कुल्हाड़ी से पत्नी का कत्ल, पति गिरफ्तार

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- थाना रहरा क्षेत्र के गांव पौरारा में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। आपसी विवाद के चलते पति ने कुल्हाड़ी से वार कर पत्नी की हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। वारदात में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है। आपको बता दे कि बदायूं जिले के सहसवान थाना क्षेत्र के ग्राम मचौना की मढ़ैया निवासी महावीर पुत्र रामभरोसे ने रहरा थाने में तहरीर दी जिसमें बताया कि उसके बहनोई रामफल पुत्र पूरन सिंह निवासी पौरारा, थाना रहरा ने पारिवारिक विवाद में उसकी बहन उर्मिला पत्नी रामफल के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। हमले में उर्मिला की मौके पर ही मौत हो गई। तहरीर के आधार पर थाना रहरा में मु0अ0सं0 157/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया।

एसपी लखन सिंह यादव के निर्देशन, एएसपी अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन व सीओ हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के पर्यवेक्षण में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी रामफल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद कर ली है। आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया।

डॉ. दीपक अग्रवाल की पुस्तक अमरोहा के अग्रबंधु का भव्यता के साथ विमोचन

अमरोहा (सब का सपना):- आर्य समाज अमरोहा के तत्वावधान में डॉ. दीपक अग्रवाल की पुस्तक अमरोहा के अग्रबंधु का भव्यता के साथ विमोचन किया गया। रविवार को सबसे पहले आर्य समाज की भव्य यज्ञशाला में राष्ट्र कल्याण यज्ञ आचार्य सोमेश शास्त्री ने संपन्न कराया। इसमें विनय प्रकाश आर्य, नत्थू सिंह आर्य, हेतराम सागर, अभय आर्य यजमान रहे। इसके बाद स्वामी विराजानंद सभागार में मुख्य अतिथि धनौरा नगर पालिका परिषद् के अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि असिस्टेंट कमिश्नर (खाद) विनय कुमार अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि अग्रवाल प्रशिक्षण एवं समाज सेवा संस्थान (पंजीकृत), बिजनौर की अध्यक्ष सविता अग्रवाल, आर्य समाज के प्रधान नत्थू सिंह, अग्रवाल समाज के संरक्षक शंभू दयाल अग्रवाल, अधिष्ठाता विनय प्रकाश आर्य, कार्यक्रम संयोजक अभय आर्य, लेखक डॉ. दीपक अग्रवाल ने पुस्तक का विमोचन किया। इससे पूर्व डॉ. दीपक अग्रवाल ने बताया कि अमरोहा के अग्रबधु पुस्तक में अमरोहा के 159 व्यक्तियों का जीवन परिचय शामिल किया गया और एक अतिथि अग्रबंधु के सुझावों को शामिल किया गया है। पुस्तक में शामिल अग्रबंधुओं के विचार समाज को प्रेरणा प्रदान करेंगे। इस अवसर पर प्रवीण कुमार अग्रवाल ने कहा कि इस पुस्तक में प्रत्येक व्यक्ति की पारिवारिक पृष्ठभूमि, उनके रोजगार या व्यवसाय तथा उनके बच्चों का व्यापार या नौकरी की ओर रुझान दशार्या गया है। अग्रवाल समाज ने न केवल आर्थिक क्षेत्र में बल्कि शिक्षा और नई पीढ़ी के मार्गदर्शन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बच्चों को उनकी इच्छा के अनुसार करियर चुनने पर बल दिया और राजनीति में आने का भी आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि विनय कुमार अग्रवाल ने कहा कि अमरोहा के अग्रबंधु पुस्तक एक दूसरे को समझने और जोड़ने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज के रीति-रिवाजों का प्रभाव अन्य समाज पर भी पड़ता है kविशिष्ट अतिथि सविता अग्रवाल ने कहा कि संचार क्रांति के इस युग में पुस्तको का महत्व बरकरार हैं। अमरोहा के अग्रबंधु पुस्तक नई पीढ़ी को दिशा प्रदान करेगी। इसके अलावा संयोजक अभय आर्य, ममता अग्रवाल विशाल गोयल, कुंवर विनीत अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक श्योनाथ सिंह आदि ने भी विचार व्यक्त किए। योगिता गोले ने गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. वीरेंद्र कुमार शुक्ल ने किया। अभय आर्य ने सभी का आभार व्यक्त किया। आयोजन में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष विशाल गर्ग, महामंत्री आकाश गोयल, विपुल अग्रवाल आदि ने सहयोग किया। इस मौके पर भुवनेश कुमार शर्मा भुवन, डॉ. सुधांश शर्मा, डॉ. यतींद्र कटारिया, विमल किशोर वंदेमारतम, डॉ. कमलेश सिंह, राजनिकेतन शर्मा, सुरेश विरमानी, डॉ. वंदना रानी गुप्ता, करूणेश गोयल, गिरीश बंसल, दीप कुमार गिरि, विनय त्यागी, अवनीश गुप्ता राहुल मोहन माहेश्वरी, हरि सिंह मौर्य, वरण सिंह, बिजेंद्र सिंह, प्रदीप अग्रवाल, निशि भूषण समेत अग्रबंधु मौजूद रहे।

गजरौला में युवक को थमले से बांधकर पीटने के मामले में पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला कोतवाली क्षेत्र में एक युवक को चोरी के साथ में हमले से बांधकर पीटने के मामले में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है और संबंधित धाराओं में चालान कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। बता दें कि गजरौला कोतवाली पुलिस ने इस कार्यवाही को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत किया है। इस मामले में पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक थाना गजरौला पर बीते शनिवार को प्राप्त तहरीर के अनुसार अभियुक्त प्रसादी, लेखपाल पुत्र सुखराम एवं दीपक पुत्र शीशपाल निवासी सुल्तानठेर थाना गजरौला, अमरोहा द्वारा वादी छत्रपाल पुत्र दीवान सिंह निवासी ग्राम सादुल्लापुर थाना गजरौला जनपद अमरोहा के पुत्र सिकंदर के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी डंडों से मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया। इस मामले में पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए नामजद अभियुक्त गण प्रसादी, नेकपाल एवं दीपक को गिरफ्तार किया गया और अपराध की संबंधित धारा में चालान कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। वहीं इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने जनपद वासियों से अपील करते हुए संदेश दिया है कि यदि किसी व्यक्ति पर किसी प्रकार से संदेह हो अथवा संदिग्ध व्यक्ति पकड़ा जाता है तो उसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस अथवा डायल 112 पर दें। किसी भी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेने किसी को बंधक बनाकर सार्वजनिक रूप से अपमानित करने अथवा उसके साथ मारपीट करने का किसी को कोई अधिकार नहीं है कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का दायित्व है स्वयं कानून हाथ में लेने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी साक्ष्यों के आधार पर कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गजरौला में सातवीं राज्य स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के कान्ता रिसोर्ट, गजरौला में आयोजित सातवीं राज्य स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप-2026 का शुभारंभ धनोरा विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक राजीव तरारा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं निर्णायकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मुख्य अतिथि राजीव तरारा ने अपने संबोधन में योगासन को भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर एवं स्वस्थ जीवनशैली का आधार बताते हुए कहा कि योगासन खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास तथा शारीरिक एवं मानसिक सुदृढ़ता का विकास करता है। उन्होंने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रेरित किया।

इस अवसर पर विश्व योगासन चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों इन्दु मथुरिया, आकाश शर्मा, प्रवीण पाठक व रितु को मुख्य अतिथि द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही प्रतियोगिता में योगदान देने वाले सभी निर्णायकों एवं जजों को भी सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश योगासन स्पोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष ऋषिपाल सिंह ने की। आयोजन का सफल संचालन कंपटीशन डायरेक्टर नेहा श्योरान व कंपटीशन मैनेजर डॉ. जोगेन्द्र सिंह के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन दो आयु वर्गों में सीनियर एवं सीनियर ए में किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने चार प्रमुख इवेंट्स, जिनमें ट्रेडिशनल योगासन, कलात्मक योगासन (एकल), कलात्मक योगासन (युगल) तथा तालात्मक योगासन (युगल) शामिल हैं, में भाग लिया। इस अवसर पर सचिन चौधरी, जिला परियोजना अधिकारी (नमामि गंगे), भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष श्री सतपाल सिंह, गौरव धारीवाल, कोमल, आचार्य रामनिवास त्रिवेदी, सचिन सिद्धू, पूनम शर्मा, भानु सिंह, अर्चना तोमर, लोकेश यादव, अंकित, आर्यन सहित अनेक गणमान्य अतिथि, प्रशिक्षक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। साथ ही पैरा योगासन के निदेशक कपिल शर्मा की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रतियोगिता के समापन पर विभिन्न आयु एवं वर्गों के विजेता खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा परिणामों की औपचारिक घोषणा की गई। मुख्य अतिथि राजीव तरारा द्वारा विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। आर्टिस्टिक सिंगल वर्ग में यशस्वी चौधरी प्रथम, यशी शर्मा द्वितीय तथा नेहा शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। आर्टिस्टिक पेयर सीनियर वर्ग (महिला) में पलक बर्मी वाला एवं नव्या रावत की जोड़ी प्रथम, अंजलि कनौजिया एवं नैंसी कनौजिया की जोड़ी द्वितीय तथा रजनी एवं अंजलि की जोड़ी तृतीय स्थान पर रही। ट्रेडिशनल योगासन सीनियर ए वर्ग में अक्षय कुमार प्रथम, पोपिन सिंह द्वितीय तथा सोनू सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ग्राम-केशोपुर में आयोजित हुआ अप्रैन्टिस / रोजगार मेला

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा में नोडल प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने जानकारी देते हुए कहा कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ग्राम-केशोपुर, कैलसा रोड, अमरोहा में 30 जून दिन मंगलवार को पूर्वाहन 10:00 बजे से अप्रैन्टिस / रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जपनद की प्रतिष्ठित कम्पनियों एवं वाह्य जनपद की प्रतिष्ठित कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग कर विभिन्न व्यवसायों के आई०टी०आई०/ हाईस्कूल / स्नातक/डिग्री/डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का अप्रैन्टिसशिप प्रशिक्षण / रोजगार हेतु चयन किया जायेगा। इसीलिए 30 जून दिन मंगलवार को पूर्वाहन 10:00 बजे से आयोजित अप्रैन्टिस मेले में उक्तानुसार विभिन्न व्यवसायों (फिटर/विद्युतकार/ इलैक्ट्रोनिक्स मैकेनिक्स / मैकेनिक मोटर व्हीकल /वेल्डर/प्लम्बर/पेंटर एवं मशीनिष्ट/हाईस्कूल / स्नातक/डिग्री/डिप्लोमा आदि) उत्तीर्ण अभ्यर्थी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ग्राम-केशोपुर, कैलसा रोड, अमरोहा में उपस्थित होकर स्वर्णिम अवसर का लाभ प्राप्त करें।

अमरोहा ईंट भट्ठा स्वामियों ने जिग-जैग परिवर्तन के लिए दो वर्ष का समय मांगा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में अमरोहा ईंट निमार्ता समिति ने मुख्यमंत्री के नाम शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लों के माध्यम से ज्ञापन सौंपा है। समिति के अध्यक्ष सरदार गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने बताया कि जनपद अमरोहा में ईंट भट्ठा उद्योग एक महत्वपूर्ण सीजनल ग्रामीण कुटीर उद्योग है। यह उद्योग बिना किसी सरकारी सहायता के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हो रहा है। खेती-किसानी के बाद खाली समय में स्थानीय ग्रामवासियों को रोजगार देकर यह उद्योग हजारों परिवारों का भरण-पोषण करता है और शहरी पलायन को रोकने में सहायक सिद्ध हो रहा है।समिति ने अवगत कराया कि वर्षों से पारंपरिक ईंट भट्ठे चल रहे हैं। पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर इन्हें जिग-जैग प्रणाली में परिवर्तित करने की प्रक्रिया चल रही है। भट्ठा स्वामी पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से जिग-जैग प्रणाली का स्वागत करते हैं। स्वामियों ने बताया कि एक सामान्य ईंट भट्ठे को जिग-जैग में बदलने पर लगभग 50 से 60 लाख रुपये का खर्च आता है। वर्तमान में उद्योग मंदी के दौर से गुजर रहा है। विदेशों में चल रहे युद्धों के कारण उत्पादन लागत बढ़ गई है। बेमौसम बारिश से इस सीजन में उत्पादन आधे से भी कम रह गया। कोयले की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि और जीएसटी दरों में बढ़ोतरी ने भट्ठा स्वामियों को आर्थिक रूप से कमजोर कर दिया है। फुकाई में देरी के निर्देश से भी उत्पादन प्रभावित हो रहा है।इन परिस्थितियों को देखते हुए ईंट निमार्ता समिति ने पारंपरिक ईंट भट्ठों को जिग-जैग प्रणाली में परिवर्तित करने की समय-सीमा में दो वर्ष का अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया है, ताकि यह ग्रामीण उद्योग बचाया जा सके।

जिला संयुक्त चिकित्सालय में फायर मॉकड्रिल, चिकित्सकों-कर्मचारियों को दिया गया हैं डसऑन प्रशिक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हाल ही में हुई आग लगने की घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से अमरोहा जिला संयुक्त चिकित्सालय में फायर मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। रविवार को दोपहर 1 बजे मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनुराग तोमर के निर्देश पर आयोजित इस मॉकड्रिल में फायर विभाग की टीम ने चिकित्सालय के डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और कर्मचारियों को अग्निशमन से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। फायर विभाग की ओर से एल.एफ.एम. महेन्द्रपाल सिंह, एफ.एम. प्रमोद कुमार, रूपेश कुमार, हिमांशु चाहल और चालक मंजू कुमार ने हिस्सा लिया। टीम ने आग बुझाने के उपकरणों का उपयोग, आग की विभिन्न स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया, निकासी की प्रक्रिया और प्राथमिक उपायों पर विस्तृत हैंडसऑन प्रशिक्षण प्रदान किया। मॉकड्रिल के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अश्वनी कुमार भंडारी, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चरण सिंह, वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. गजेन्द्र सिंह, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. इकबाल हुसैन, डॉ. कामेन्द्र सिंह, डॉ. शाहबाज ताहिर, डीएनबी प्रशिक्षु डॉ. आवेश मोहम्मद, डॉ. राजकुवंर जैसवाल सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे। मैट्रन गीता राजपूत, नर्सिंग अधिकारी ज्योति पैसल, शिवानी, तरन्नुम, चीफ फार्मासिस्ट प्रदीप कुमार, फार्मासिस्ट ओमजंग बहादुरपाल, स्वर्ण सिंह, प्रशासनिक अधिकारी अवधेश कुमार शर्मा, एक्स-आर्मी सुरक्षा गार्ड और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अस्पताल परिसर में किसी भी प्रकार की छोटी-बड़ी आग की घटना पर तुरंत नियंत्रण पाने की क्षमता विकसित करना है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनुराग तोमर ने कहा कि ऐसे नियमित मॉकड्रिल अस्पताल जैसी संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाते हैं।

पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने विकासखंड बहजोई स्थित पीएम श्री विद्यालय पाठकपुर में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने सभी छोटे बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं, ताकि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से उन्हें सुरक्षित रखा जा सके। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि भारत भले ही पोलियो मुक्त घोषित हो चुका है, लेकिन पड़ोसी देशों में अभी भी पोलियो के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा के लिए नियमित रूप से पल्स पोलियो अभियान चलाना और प्रत्येक बच्चे तक दवा पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि अभियान के पहले दिन जनपद में बनाए गए 1,448 पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाएंगी। इसके अलावा ईंट-भट्टों, निर्माण स्थलों, बस स्टेशनों, रेलवे स्टेशनों सहित अन्य हाई-रिस्क क्षेत्रों में विशेष मोबाइल एवं ट्रांजिट टीमों के माध्यम से बच्चों को पोलियो की खुराक उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने बताया कि अभियान के लिए पर्याप्त मात्रा में पोलियो वैक्सीन उपलब्ध कराई गई है तथा सभी बूथों पर कोल्ड चेन व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, जिससे वैक्सीन की गुणवत्ता बनी रहे। उन्होंने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ शिक्षा विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशा बहुओं और अन्य कर्मचारियों की भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. पंकज कुमार विश्नोई ने बताया कि जनपद में इस अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 3,97,518 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 1,448 पोलियो बूथ, 854 घर-घर जाने वाली टीमें, 123 ट्रांजिट टीमें तथा 36 मोबाइल टीमें तैनात की गई हैं, जो अभियान के दौरान प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंचकर दवा पिलाएंगी। कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अल्का शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक बहजोई डॉ. मनमोहन शर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संजीव राठौर, एम.एल. पटेल, विनोद वार्ष्णेय, लवली सक्सैना, मोहम्मद अनस सहित शिक्षक, एएनएम, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थित रहीं। अधिकारियों ने सभी अभिभावकों से अपील की कि यदि अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम उनके घर पहुंचे तो अपने बच्चों को अवश्य पोलियो की खुराक दिलाएं, क्योंकि दो बूंद जिंदगी की बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की बैठक, संगठन विस्तार व हिंदुत्व के प्रचार-प्रसार पर हुई चर्चा

जुनावई/संभल(सब का सपना):- विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल प्रखंड जुनावई की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को जती बाबा मंदिर परिसर में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजनाओं, संगठन विस्तार और क्षेत्र में हिंदुत्व के प्रचार-प्रसार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री गौरव प्रताप तथा विभाग प्रमुख रविकांत महाराज उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकताओं को संगठन की नीतियों, उद्देश्य और भविष्य की गतिविधियों की जानकारी देते हुए समाज सेवा, संगठन की मजबूती और युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। इस दौरान जिला अध्यक्ष अमित, विहिप पदाधिकारी मोहित सहित प्रखंड जुनावई के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के साथ संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने और अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने पर भी विचर-विमर्श किया गया। प्रखंड संयोजक बजरंग दल दीपक यादव ने बताया कि बैठक का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाना तथा युवाओं में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता और धार्मिक जागरूकता का भाव विकसित करना है। उन्होंने कहा कि संगठन आगे भी जनजागरण एवं सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का कार्य करता रहेगा।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर समीक्षा बैठक, सभी विभागों को दिए जरूरी निर्देश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की तैयारियों को लेकर जनपद स्तरीय अंतर्विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के सफल संचालन के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, माइक्रो प्लान और विभागवार जिम्मेदारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में आगामी पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र बच्चे तक समय पर पोलियो की खुराक पहुंचे और अभियान का संचालन पूरी गंभीरता से किया जाए। उन्होंने रूट चार्ट का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के साथ स्टॉप डायरिया अभियान के तहत छोटे बच्चों की स्वच्छता और सुरक्षित खान-पान के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज बिश्नोई ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 से 31 जुलाई तथा दस्तक अभियान 11 से 31 जुलाई तक चलाया जाएगा। अभियान में स्वास्थ्य, नगर विकास, पंचायती राज, शिक्षा, आईसीडीएस और पशुपालन विभाग सहित सभी संबंधित विभागों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। मुख्य विकास अधिकारी ने नगर निकायों को नियमित फॉगिंग, नालियों की सफाई, जलभराव रोकने और हाई रिस्क क्षेत्रों में विशेष निगरानी के निर्देश दिए। वहीं शिक्षा विभाग को विद्यालयों में स्वच्छता एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूकता अभियान चलाने तथा आईसीडीएस व स्वास्थ्य विभाग को आशा और आंगनबाड़ी कार्यकताओं के माध्यम से घर-घर अभियान को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

बैठक के दूसरे चरण में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की समीक्षा की गई। डिप्टी सीएमओ डॉ. हरेंद्र सिंह बंसल ने योजना की प्रगति प्रस्तुत की। मुख्य विकास अधिकारी ने आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने, पात्र परिवारों का शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने तथा साप्ताहिक समीक्षा नियमित रूप से करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज बिश्नोई, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मारपीट के बाद युवक की मौत मामले में दो वांछित आरोपी गिरफ्तार

संभल (सब का सपना):- थाना कोतवाली क्षेत्र में मारपीट के बाद युवक की उपचार के दौरान हुई मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 23 जून को संभल निवासी अजीमुद्दीन पुत्र आले हसन ने थाना कोतवाली संभल में तहरीर देकर बताया था कि 18 जून को उनके पुत्र के साथ कुछ लोगों ने गाली-गलौज की, उसके बाद उसके साथ बेरहमी से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत के आधार पर थाना कोतवाली संभल में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मारपीट में गंभीर रूप से घायल युवक का अस्पताल में उपचार चल रहा था, लेकिन उसकी हालत लगातार गंभीर बनी रही। उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। युवक की मौत के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुकदमे में आवश्यक धाराओं की बढ़ोतरी कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। इसी क्रम में रविवार को थाना कोतवाली संभल पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मुकदमे में वांछित अनुज चौधरी (34 वर्ष) पुत्र अरविंद सिंह तथा अजीत कुमार (19 वर्ष) पुत्र महीपाल सिंह को ग्राम ऐंजरा अड्डा से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। मामले में अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर विधिक कार्रवाई की गई है। पुलिस का कहना है कि मामले में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चौधरी देवेन्द्र सिंह बने भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष, अमरोहा पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने पुष्प गुच्छ भेंट कर किया अभिनंदन

जोया/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में रविवार को भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष चौधरी देवेंद्र सिंह के अमरोहा आगमन पर भाजपा नेताओं, कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने फूल मालाएं पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर गर्मजोशी के साथ अभिनंदन स्वागत किया। चौधरी देवेंद्र सिंह को भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने पर भाजपा समर्थकों एवं कार्यकताओं पदाधिकारी में खुशी का माहौल देखने को मिला। बता दें कि चौधरी देवेंद्र सिंह भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद पहली बार जनपद अमरोहा पहुंचे जिन्होंने मंडल अध्यक्ष जोया जीत सिंह के आवास पर विश्राम किया। इसी दौरान वहां पहुंचे भाजपा नेताओं कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा चौधरी देवेंद्र सिंह का फूल मालाएं पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ देकर गर्मजोशी के साथ अभिनंदन स्वागत किया। इस अवसर पर वहां भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, पूर्व विधायक हरपाल सिँह, ब्लॉक प्रमुख वीरेंद्र चौधरी, विपिन सागर, ब्लॉक प्रमुख पुत्र मुदित गुर्जर,जिला उपाध्यक्ष हिमांशु त्यागी, रामरतन सिँह, श्याम सिँह, कैलाश गुर्जर, हैप्पी प्रधान, नरेन्द्र प्रताप राणा आदि सैकड़ों कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में 76 मामलों की हुई सुनवाई, चार बिखरे परिवारों का हुआ समझौता

बहजोई/संभल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति शर्मा के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक शनिवार को पुलिस लाइन बहजोई में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष डॉ. रूकमपाल सिंह ने की। बैठक के दौरान पति-पत्नी के बीच चल रहे पारिवारिक विवादों को आपसी सहमति और काउंसलिंग के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया गया। काउंसलर्स ने दोनों पक्षों की बात ध्यानपूर्वक सुनकर रिश्तों को बचाने और आपसी मतभेद दूर कराने का प्रयास किया। इस दौरान कुल 76 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 14 मामलों का निस्तारण किया गया। काउंसलिंग के सफल प्रयासों से चार परिवारों के बीच समझौता कराकर उन्हें साथ रहने के लिए राजी किया गया, जबकि चार मामलों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। वहीं छह मामलों में आवेदक या आवेदिका के काउंसलिंग में उपस्थित न होने अथवा मामले में रुचि न लेने के कारण पत्रावलियों को बंद कर दिया गया। शेष मामलों में अगली तिथि निर्धारित कर सुनवाई जारी रखने का निर्णय लिया गया।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि परिवार परामर्श केंद्र का उद्देश्य पति-पत्नी के बीच उत्पन्न विवादों को न्यायालय जाने से पहले आपसी संवाद और समझौते के माध्यम से सुलझाना है, ताकि परिवार टूटने से बच सकें और सामाजिक सौहार्द बना रहे। बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, बबिता शर्मा, सीमा आर्य, कंचन माहेश्वरी, कांस्टेबल शहजाद मलिक, महिला हेड कांस्टेबल रश्मि गहलौत तथा महिला आरक्षी विनीता सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों का समय बदला, सुबह 7:30 से दोपहर 12 बजे तक चलेगा संचालन

अमरोहा (सब का सपन):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने जनपद में पड़ रही भीषण गर्मी और उच्च तापमान को देखते हुए छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किये हैं। अब जनपद अमरोहा में बेसिक शिक्षा विभाग के नियंत्रणाधीन एवं मान्यता प्राप्त समस्त विद्यालय अग्रिम आदेशों तक प्रातः 07:30 बजे से अपराह्न 12:00 बजे तक संचालित होंगे। इस अवधि के दौरान विद्यालयों में शिक्षण कार्य, प्रार्थना सभा, मध्याह्न भोजन वितरण तथा अन्य शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक गतिविधियाँ निर्धारित समय के अंदर पूर्ण की जाएंगी।विद्यालय संचालन अवधि समाप्त होने के बाद भी अध्यापक, शिक्षामित्र, अनुदेशक एवं परिचारक अपराह्न 01:00 बजे तक विद्यालय में उपस्थित रहेंगे। इस दौरान वे विभागीय कार्य, अभिलेखों का अद्यतनीकरण, नामांकन, डीबीटी,
यू-डायस, प्रेरणा पोर्टल संबंधी कार्य, शैक्षिक योजना निर्माण एवं अन्य आवश्यक कार्यालयीय कार्यों को पूरा करेंगे।जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों पर लागू नहीं होगा। ये विद्यालय राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ द्वारा निर्धारित समय-सारणी के अनुसार ही संचालित होंगे।

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- नगर के दवा व्यवसायियों की प्रमुख संस्था चंदौसी केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन (सीसीडीए) की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह रविवार को अध्यक्ष पायल मल्होत्रा के आवास पर उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित किया गया। समारोह में नवगठित कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने संगठन की मजबूती, दवा व्यापारियों के हितों की रक्षा तथा निष्पक्ष एवं पारदर्शी कार्यशैली के साथ कार्य करने की शपथ ली।

समारोह के दौरान नई कार्यकारिणी की औपचारिक घोषणा की गई। इसमें पायल मल्होत्रा ने अध्यक्ष, राकेश गुप्ता ने सचिव, मल्होत्रा ने कोषाध्यक्ष तथा रतन कुमार वार्ष्णेय ने संगठन मंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। इसके अलावा संस्था के संरक्षक तिलक राज मल्होत्रा, सतीश चंद्र अग्रवाल, सुधीर मल्होत्रा, अंकुर अग्रवाल, सुनील वार्ष्णेय और कपिल अरोड़ा ने भी संगठन के मार्गदर्शन का संकल्प लिया। उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी अमित गुप्ता, पूजा आहूजा, अनुराग शर्मा और प्रशांत वार्ष्णेय को सौंपी गई। वहीं नीरज शर्मा और अनुज वार्ष्णेय (अन्नू) को मीडिया समन्वयक, संजय साहनी, दीपक शर्मा, राहुल वैद और चंदन खन्ना को संयुक्त सचिव तथा ऋषि वर्मा, लकी सिंह, गौरव भारद्वाज, इरशाद, संभव जैन और वैभव अग्रवाल को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के बाद अध्यक्ष पायल मल्होत्रा ने कहा कि एसोसिएशन का प्रमुख उद्देश्य चंदौसी क्षेत्र के सभी केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराना है। उन्होंने कहा कि संगठन दवा व्यवसाय में पारदर्शिता बढ़ाने, सरकारी नियमों का पालन सुनिश्चित कराने, व्यापारियों के अनावश्यक उत्पीड़न को रोकने तथा आपसी समन्वय और सहयोग की भावना को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करेगा। समारोह में स्थानीय व्यापार जगत से जुड़े अनेक लोगों, वरिष्ठ दवा व्यवसायियों और एसोसिएशन के सदस्यों ने भाग लिया। सभी ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए संगठन से दवा व्यापारियों के हित में प्रभावी कार्य करने की अपेक्षा जताई।

स्योहारा में किशोरी से दुष्कर्म के दोनों आरोपी चौबीस घंटे के भीतर गिरफ्तार, भेजे गए जेल

बिजनौर (सब का सपना):- थाना स्योहारा पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए 13 वर्षीय नाबालिग किशोरी को बंधक बनाकर दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने वाले दोनों फरार आरोपियों को चौबीस घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक प्रेसनोट के मुताबिक, पुलिस टीम ने रविवार को दोनों नामजद अभियुक्तों को दबोचकर जेल भेजने की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

विदित हो कि बीते 26 जून को पीड़ित पिता ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि 13 जून की दोपहर गांव का ही रीटिन पुत्र कीरत, उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और अपने सहयोगी सोनू पुत्र धर्मपाल सिंह के साथ मिलकर उसे बंधक बना लिया। इसके बाद आरोपी रीटिन ने किशोरी के साथ जबरन दुष्कर्म किया, जबकि सोनू ने इस जघन्य अपराध में उसका सहयोग किया। विरोध करने पर आरोपियों ने किशोरी के गले पर धारदार चाकू रखकर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी और बाद में फोटो वायरल करने की धमकी देकर उसे प्रताड़ित कर रहे थे। इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए स्योहारा थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर तत्काल बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

रविवार को प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार, उ0नि0 संजय त्यागी, हेड कांस्टेबल नीटू राणा और राजू दिवाकर की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों नामजद आरोपियों–रीटिन और सोनू उर्फ सतवीर को ग्राम मकनपुर से गिरफ्तार कर लिया।

टिकट मांगने पर बवाल, महिला परिचालक से अभद्रता, बस का शीशा तोड़ा, दो यात्री घायल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के बिजनौर-चांदपुर मार्ग पर शनिवार दोपहर एक रोडवेज बस में टिकट मांगने को लेकर जमकर हंगामा हो गया। आरोप है कि नशे की हालत में यात्रा कर रहे एक युवक ने महिला परिचालक से अभद्रता और गाली-गलौज की। जब चालक और यात्रियों ने उसे बस से नीचे उतार दिया तो उसने गुस्से में बस पर पत्थर फेंककर अगला शीशा तोड़ दिया। इस घटना में शीशे के टूटे कांच से दो यात्री घायल हो गए। जानकारी के अनुसार बिजनौर डिपो की अनुबंधित बस बिजनौर से चांदपुर जा रही थी। बस में तैनात महिला परिचालक खुशबू ने एक युवक से नियमानुसार टिकट लेने के लिए कहा। आरोप है कि युवक नशे में था और टिकट बनवाने के बजाय परिचालक के साथ अभद्र व्यवहार करने लगा तथा गाली-गलौज करने लगा। बस में बढ़ते विवाद को देखते हुए चालक योगेंद्र कुमार और अन्य यात्रियों ने हस्तक्षेप कर युवक को बस से नीचे उतार दिया। इससे नाराज युवक ने सड़क से पत्थर उठाकर बस के अगले शीशे पर दे मारा। पत्थर लगते ही शीशा चकनाचूर हो गया और उसके कांच के टुकड़े बस में बैठे यात्रियों पर जा गिरे, जिससे दो यात्री घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और मामले की जानकारी जुटाई। घायलों को प्राथमिक उपचार दिलाया गया। इस घटना से कुछ देर के लिए मार्ग पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। रोडवेज कर्मियों ने महिला परिचालक के साथ अभद्रता और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटना पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण में महासचिव चंपत राय ने दिया इस्तीफा, बिजनौर के नगीना स्थित पैतृक आवास पर दिनभर रही चर्चाएं

बिजनौर/नगीना (सब का सपना):- अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित अनियमितताओं के सामने आने के बाद देशभर में गहरी चिंता और चर्चा का माहौल है। करोड़ों रामभक्तों की आस्था से जुड़े इस संवेदनशील मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बड़ा निर्णय लेते हुए अपने महासचिव चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने भी अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। ट्रस्ट ने स्पष्ट किया है कि यह कदम निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है तथा श्रद्धालुओं के चढ़ावे की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। बताया जा रहा है कि मामले की जांच के दौरान प्रारंभिक स्तर पर कुछ गंभीर अनियमितताओं की जानकारी सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने इस मामले में नामजद आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच आगे बढ़ा दी है। अब तक बड़ी धनराशि भी बरामद किए जाने की जानकारी सामने आई है। हालांकि जांच अभी जारी है। इधर, जनपद बिजनौर के नगीना स्थित चंपत राय के पैतृक आवास पर भी दिनभर लोगों का आना-जाना लगा रहा। स्थानीय लोगों और शुभचिंतकों के बीच मामले को लेकर चर्चाओं का दौर चलता रहा। मीडिया से बातचीत में चंपत राय के भाई ने कहा कि उनका पूरा जीवन संगठन, समाज सेवा और राष्ट्र कार्य के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि परिवार को जांच प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और सत्य सामने आने का इंतजार किया जाना चाहिए। धार्मिक और सामाजिक संगठनों का भी कहना है कि यह मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है, इसलिए इसकी जांच पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और शीघ्रता से होनी चाहिए। उनका मानना है कि यदि किसी स्तर पर दोष सिद्ध होता है तो कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई हो, ताकि मंदिरों में श्रद्धालुओं का विश्वास और अधिक मजबूत हो। फिलहाल पूरे देश की निगाह इस जांच पर टिकी हुई है। श्रद्धालुओं की अपेक्षा है कि जांच शीघ्र पूरी हो, सत्य सामने आए और भगवान श्रीराम के प्रति अटूट आस्था एवं मंदिर व्यवस्था की गरिमा अक्षुण्ण बनी रहे।

सीएचसी स्योहारा में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, 35,654 बच्चों को पिलाई जाएगी खुराक

बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में पोलियो बूथों का शुभारंभ किया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने फीता काटकर अभियान का शुभारंभ किया और अपने हाथों से बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि "दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत रहे बरकरार" के संकल्प के साथ अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाया जाएगा। डॉ. बी.के. स्नेही ने बताया कि 29 जून से 3 जुलाई तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी। इसके बाद 6 जुलाई को छूटे हुए बच्चों के लिए बी-टीम के माध्यम से विशेष अभियान चलाया जाएगा, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की दवा पीने से वंचित न रह जाए। उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्योहारा में इस अभियान के तहत 35,654 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के पहले दिन समाचार लिखे जाने तक लगभग 15 हजार बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा चुकी थी। सीएचसी स्योहारा के स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी (आईओ) वीर सिंह ने बताया कि पूरे ब्लॉक में 151 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। अभियान की निगरानी के लिए 29 सुपरवाइजर, 4 सेक्टर प्रभारी, 86 घर-घर भ्रमण करने वाली टीमें, 2 मोबाइल टीमें तथा 8 ट्रांजिट टीमें लगाई गई हैं। सभी टीमें माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य करेंगी, जिससे लक्षित आयु वर्ग का कोई भी बच्चा छूटने न पाए। डॉ. स्नेही ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अभियान के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि उन्हें इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सके। अभियान के दौरान डब्ल्यूएचओ मॉनिटर मोहम्मद मुस्तकीम ने 13 पोलियो बूथों का निरीक्षण किया और सभी बूथों पर अभियान सुचारु रूप से संचालित होता पाया। शाम को सीएचसी स्योहारा में डॉ. बी.के. स्नेही की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी सुपरवाइजरों को अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य मोहम्मद नफीस अहमद, एएनएम पूजा देवी, अनीता देवी, स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी वीर सिंह, राजेश कुमार, फार्मासिस्ट देवेंद्र सिंह, योगेश कुमार, हरीश, दीक्षांत, शोभित, नेत्र परीक्षण सहायक सुमित कुमार, सजौदीन, लोकेश, अरुण कुमार, नीरज, सुनील कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग एवं शिक्षा विभाग के अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

दो बाइकों की भिड़ंत में एक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

बिजनौर (सब का सपना):- जिले के अफजलगढ़ थाना क्षेत्र में दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना 28 जून 2026 को जटपुरा महावतपुर रजवाहे की पटरी पर हुई। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 7 बजे दुर्घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि जटपुरा निवासी 36 वर्षीय अंचल कुमार (पुत्र महावीर सिंह) अपनी प्लेटिना बाइक पर थे। दूसरी बाइक, एक स्पलेंडर जटपुरा निवासी 24 वर्षीय सतेंद्र (पुत्र बलकरण) चला रहे थे। दोनों बाइकें रजवाहे की पटरी पर आपस में टकरा गईं, जिससे दोनों चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उनके परिजनों द्वारा जसपुर अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने अंचल कुमार को मृत घोषित कर दिया। सतेंद्र का इलाज चल रहा है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मृतक अंचल कुमार का पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेज दिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। दुर्घटनास्थल पर शांति व्यवस्था कायम है।

लापता अधेड़ का खेत में मिला शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

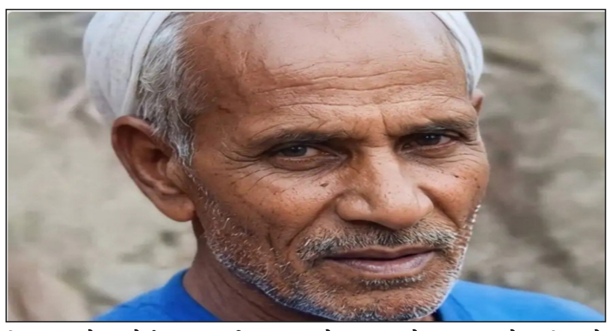

बिजनौर (सब का सपना):- बिजनौर के जसपुर कोतवाली क्षेत्र के देवीपुरा गांव निवासी 58 वर्षीय शिवराम सैनी का शव रविवार सुबह एक खेत में पड़ा मिला। शिवराम पिछले तीन दिनों से लापता थे। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, शिवराम सैनी पुत्र सरजीत सिंह ने लगभग तीन दशक पूर्व अपनी दो बेटियों ओमवती देवी और संजो देवी की शादी रेहड़ थाना क्षेत्र के फतेहपुर धारा निवासी रमेश और रामपाल सिंह से की थी। शिवराम के कोई पुत्र नहीं था, जिसके कारण वह पिछले छह महीने से अपनी छोटी बेटी संजो देवी के घर फतेहपुर धारा में रह रहे थे। उनकी पत्नी सोमती देवी देवीपुरा स्थित अपने ससुराल में थीं। शिवराम मजदूरी करके अपना गुजारा करते थे। मृतक के दामाद रमेश सिंह ने बताया कि लगभग पांच दिन पहले शिवराम रामनगर से मजदूरी के करीब सात हजार रुपये लेकर आए थे। तीन दिन पहले वह गांव के कुछ लोगों के साथ घूमने चले गए थे। तीन दिन बीत जाने के बाद भी जब वह घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। कालागढ़, अफजलगढ़ सहित वन क्षेत्र में भी उनकी खोजबीन की गई, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया। रविवार सुबह जब ग्रामीण खेतों पर काम करने गए, तो उन्होंने रामपाल सिंह के खेत में शिवराम सैनी का शव पड़ा देखा। शव मिलने की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने शिवराम के साथ गए कुछ साथियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि शिवराम के साथ गए दो अन्य साथी भी घटना के बाद से फरार हैं।

धामपुर में प्रसव के दौरान महिला की मौत

झोलाछाप चिकित्सक पर लापरवाही के आरोप, अस्पताल संचालक फरार

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर नगर में कथित रूप से झोलाछाप चिकित्सक की लापरवाही का एक और गंभीर मामला सामने आया है। प्रसव के लिए भर्ती कराई गई 26 वर्षीय महिला की ऑपरेशन के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल संचालक और स्टाफ मौके से फरार हो गया, जिससे परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद परिजनों को कानूनी कार्रवाई के लिए राजी किया गया। जानकारी के अनुसार स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम मुकरपुरी निवासी आरती (26) पत्नी नितिन को प्रसव पीड़ा होने पर धामपुर के लक्ष्मी नगर स्थित साई हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि प्रसव के दौरान अस्पताल में लगातार लापरवाही बरती गई, जिसके चलते रविवार तड़के आरती की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ऑपरेशन के दौरान आरती ने एक बच्ची को जन्म दिया। दंपति की पहले से भी एक बेटी है। महिला की मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। आरोप है कि घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल संचालक अपने स्टाफ सहित अस्पताल छोड़कर फरार हो गया। इससे आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इस दौरान यह भी आरोप लगाया गया कि अस्पताल पक्ष की ओर से कुछ लोग समझौते का प्रयास कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामले को शांत कराया। प्रारंभ में परिजन पोस्टमार्टम और कानूनी कार्रवाई के पक्ष में नहीं थे, लेकिन पुलिस के समझाने पर वे तैयार हो गए। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया गया। घटना ने एक बार फिर जिले में कथित झोलाछाप चिकित्सकों के संचालन और निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बिना पर्याप्त चिकित्सकीय व्यवस्था के कई निजी अस्पताल संचालित हो रहे हैं, जिन पर प्रभावी निगरानी की आवश्यकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा और उसी के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी मामले की जांच की संभावना जताई जा रही है।

झालू में बेखौफ चोरों का आतंक, एक रात में दो ट्यूबवेल खंगाले

स्टार्टर, केबल, स्प्रे मशीन समेत हजारों का सामान समेट ले गए बदमाश, किसानों में रोष

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के हल्दौर थाना क्षेत्र कस्बा झालू में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। शनिवार देर रात बदमाशों ने मात्र 700 मीटर की दूरी पर स्थित दो किसानों के ट्यूबवेलों को निशाना बनाते हुए हजारों रुपये मूल्य का कृषि उपकरण और विद्युत सामग्री चोरी कर ली। घटना से किसानों में भारी नाराजगी है और उन्होंने पुलिस से जल्द खुलासे की मांग की है। मोहल्ला चौधरियान निवासी किसान भानु चौधरी और जितेंद्र चौधरी के खेत झालू नहर से मुकरन्दपुर मार्ग पर स्थित हैं। रात के समय अज्ञात चोर दोनों ट्यूबवेलों के कमरों के ताले तोड़कर अंदर घुस गए। चोर वहां से स्टार्टर, विद्युत केबल, ऑपरेटर, स्प्रे मशीन, फावड़ा, प्लास तथा खेती में उपयोग होने वाला अन्य सामान समेटकर फरार हो गए। रविवार सुबह खेत पर पहुंचने पर किसानों को चोरी की जानकारी हुई। कमरों के टूटे ताले और बिखरा सामान देखकर उन्होंने तत्काल पुलिस चौकी पहुंचकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। कुछ दिन पूर्व इसी मार्ग पर स्थित श्री झंडे वाले बाबा जी के आश्रम से भी दो बैटरियां चोरी हो गई थीं। इसके अलावा मुकरन्दपुर रोड पर शमशान के पास कुछ दिन पहले तीन युवक ने एक बाइक के दोनों पहियों व बैट्री को निकाल लिये। किसानों ने झालू पुलिस को सूचना दी, इतने पुलिस पहुंची तीनों युवक तब तक भाग गए, और पुलिस ने औपचरिकता पूरी करते हुए बाइक को लावारिस में दर्ज कर दी। और इस घटना के कुछ दिन बाद झालू-बरुकी नहर मार्ग पर भी बाइक के पहिये और बैटरी चोरी होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। मामले को पुलिस ने दबा दिया है। लोगों का आरोप है कि मामलों में प्रभावी कार्रवाई न होने से चोरों के हौसले बढ़ गए हैं। लगातार हो रही वारदातों से किसानों और ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने, चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा करने और क्षेत्र में सक्रिय चोर गिरोह पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

कोल्ड ड्रिंक पीने जा रहे युवक की चाकू मारकर हत्या, मामूली विवाद में किया हमला

बिजनौर (सब का सपना):- रविवार को दिनदहाड़े जनपद के मंडावर थाना क्षेत्र के कोहरपुर गांव में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। यह वारदात मामूली विवाद के चलते हुई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रविवार सुबह करीब 9 बजे हुई। मृतक की पहचान कोहरपुर गांव निवासी 19 वर्षीय बिट्टू पुत्र चरन के रूप में हुई है। बिट्टू अपने एक साथी के साथ गांव की दुकान पर कोल्ड ड्रिंक पीने जा रहा था। इसी दौरान गांव के ही सुरेंद्र ने अपने बेटों के साथ मिलकर बिट्टू के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। आरोप है कि सुरेंद्र ने चाकू से वार कर बिट्टू की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना पर सीओ सिटी अभय पांडे, मंडावर थाना अध्यक्ष संजय तोमर, पुलिस बल और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक बिट्टू अपने माता-पिता के पांच बेटों और एक बेटी में दूसरे नंबर का था। वह गांव में मजदूरी करता था। मृतक के पिता चरन ने बताया कि सुरेंद्र ने अपने बेटों अमित और नीटू के साथ मिलकर उनके बेटे की हत्या की है। चरन ने यह भी आरोप लगाया कि सुरेंद्र ने पहले भी बिट्टू के साथ मारपीट की थी। इसकी शिकायत पुलिस से की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आरोपी रसूखदार है और वे गरीब लोग हैं, इसलिए उनकी कहीं सुनवाई नहीं हुई। सीओ सिटी अभय पांडे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ की आंकू ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन, सचिन कुमार बने ब्लॉक अध्यक्ष

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ जनपद बिजनौर की आंकू ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन ग्राम समसपुर स्थित पदम कुमार प्रजापति के आवास पर सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। बैठक में संगठन के जिला पदाधिकारियों तथा क्षेत्र के प्रजापति समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में नई कार्यकारिणी का निर्विरोध गठन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष हरपाल सिंह प्रजापति ने की, जबकि संचालन जिला मुख्य महासचिव अरुण कुमार प्रजापति ने किया। वक्ताओं ने समाज की एकजुटता, शिक्षा, संगठन की मजबूती और सामाजिक उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

सर्वसम्मति से सचिन कुमार (ग्राम समसपुर) को ब्लॉक अध्यक्ष, लाखन सिंह प्रजापति (शेखुपुरा) को ब्लॉक महामंत्री, खान चंद्र प्रजापति (बिलासपुर) को संरक्षक, जगमोहन सिंह प्रजापति (शादीपुर) को ब्लॉक उपाध्यक्ष, वेद प्रकाश सिंह (पाडली) को ब्लॉक संगठन मंत्री, ऋषिपाल सिंह (समसपुर) को ब्लॉक कोषाध्यक्ष, अनिल कुमार प्रजापति (समसपुर), राजेंद्र कुमार प्रजापति (समसपुर) तथा भूदेव सिंह प्रजापति (बिलासपुर) को ब्लॉक सदस्य मनोनीत किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, समाज में एकता एवं भाईचारे को बढ़ावा देने तथा सामाजिक, शैक्षिक एवं जनहित के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष मास्टर रामगोपाल, जिला कोषाध्यक्ष ऋषिपाल सिंह, संगठन सचिव मनजीत सिंह, जिला प्रचार मंत्री हुकम सिंह, महावीर सिंह, पतराम सिंह, पदम कुमार सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने नवनिर्वाचित टीम को शुभकामनाएं देते हुए संगठन की गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने और समाज के हितों के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

36 घंटों में 5 घंटे भी नहीं मिल पाई बिजली, सुख गई पानी की टंकियां

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- औरंगाबाद नगर में पिछले 36 घंटों के भीतर 5 घंटे भी बिजली की आपूर्ति नहीं हो पाई है।जिस कारण पानी की टंकियां भी सुख गई है।ऐसे में लोगों के सामने समर्सिबल नहीं चलने के कारण लोगों के स्नान करने या पीने के पानी तक के लाले पड़ गए। प्रचंड गर्मी ओर उमस के बीच लोगों को रात सड़कों पर बितानी पड़ी।शनिवार रात जहांगीराबाद मोड़ चौराहे पर एबीसी केबल में आग लग गई।कुछ देर बाद बुलंदशहर बस स्टैंड के पास रखे ट्रांसफार्मर के ऊपर लाइन में आग लग गई।रात 11 बजे सदर बाजार स्थित सुनारों वाली गली के सामने लाइन में भीषण आग लग गई।एक साथ अजीजाबाद चौराहा,प्राचीन नागेश्वर शिव मंदिर रोड,पवसरा मोड पर आग लगने की घटनाएं सामने आ गई। सतेंद्र ने बताया कि उन्होंने रात को कई बार कंट्रोल रूम को सूचना देनी चाही।लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं किया।घरों के अंदर बच्चों ओर महिलाओं का भी रुकना मुश्किल हो रहा था।लोगो ने सड़कों पर चारपाई डालकर किसी तरह रात बिताई।नगर में पूरी रात ब्लैक डे की तरह अंधेरा छाया रहा।रविवार की सुबह से भी बिजली नहीं आई। दोपहर में करीब ढाई बजे बिजली आई तो लोगों ने राहत की सांस ली,लेकिन यह राहत भी अधिक देर तक नहीं टिक सकी।सिर्फ पांच मिनट में बिजली फिर से कट गई।बिजली आने जाने का लुकाछिपी का खेल चलता रहा।

400 केवीए का ट्रांसफार्मर फूंका

औरंगाबाद टाउन बिजलीघर पर रखा 400 केवीए का ट्रांसफार्मर रविवार को अधिक लोड पड़ते के चलते फूंक गया।जिस कारण कई इलाकों में आपूर्ति ठप रही।एसडीओ कुलदीप सिंह पावर कार्पोरेशन के कर्मचारियों को लेकर टाउन बिजलीघर पर पहुंचे ओर घटना की जानकारी ली।उन्होंने तत्काल ट्रांसफार्मर को बदलवाने के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।करीब ढाई बजे नया ट्रांसफार्मर मंगवाया गया।कर्मचारी ट्रांसफार्मर को लगा रहे है।

_कुलदीप सिंह ,एसडीओ बिजलीघर औरंगाबाद

इन दिनों तापमान अधिक है।जिसके कारण बिजली की खपत भी बढ़ी है।ओवरलोडिंग के साथ एबीसी केबल में आग लग रही है।कर्मचारी रात को भी लगातार कार्य कर रहे है।

बीकेयू चढ़ूनी का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

10 दिन में औरंगाबाद रोड ठीक नहीं हुई तो होगा आंदोलन

बुलंदशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी ने सोमवार को मासिक पंचायत के बाद कलेक्ट्रेट पहुंचकर चार सूत्रीय मांगों को लेकर डीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष सुनील लोधी ने चेतावनी दी कि अगर 10 दिन में बुलंदशहर-औरंगाबाद रोड दुरुस्त नहीं हुई तो संगठन आंदोलन करेगा।सुनील लोधी ने कहा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील किसान विरोधी है, इसे तुरंत रद्द किया जाए। सभी मंडियों में मक्का खरीद के लिए सरकारी कांटे लगाए जाएं। उन्होंने तहसीलों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि बिना पैसे दिए दाखिल-खारिज तक नहीं हो रहा। पटवारी व तहसीलदार खुलेआम रिश्वत मांगते हैं। जिलाध्यक्ष ने बताया कि पीडब्ल्यूडी द्वारा बुलंदशहर-औरंगाबाद रोड का चौड़ीकरण समय पर नहीं हो रहा। सड़क किनारे गहरे गड्ढों की वजह से रोज हादसे हो रहे हैं और कई लोगों की जान जा चुकी है। इसके लिए पीडब्ल्यूडी जिम्मेदार है। 10 दिन में रोड क्लियर न हुई तो बीकेयू चढ़ूनी आंदोलन को मजबूर होगी। ज्ञापन देने वालों में रघुवीर सिंह पवार, सोनपाल सिंह, देवेंद्र लोधी, रोहित चौधरी, राजेंद्र फौजी, प्रदीप चौधरी, भूपेंद्र चौधरी, पवन फौजी, वेदवीर, अर्चना जोगिंदर समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हाजीपुर मे पति ने धारदार हथियार से पत्नी का गला रेता

7 माह पहले हुई थी शादी, आए दिन होता था विवाद, आरोपी फरार, 4 टीमें तलाश में

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र के गांव हाजीपुर में रविवार को गृहक्लेश के चलते दिल दहलाने वाली वारदात हो गई। पति ने धारदार हथियार से पत्नी का गला रेतकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। वारदात के बाद गांव में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार हाजीपुर निवासी मोनू पुत्र खेमचंद का अपनी पत्नी गीता से आए दिन विवाद होता था। रविवार को भी दोनों में झगड़ा हुआ। इसी दौरान मोनू ने धारदार हथियार से गीता का गला रेत दिया। गीता की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों की शादी 7 माह पहले ही हुई थी, लेकिन शादी के बाद से ही पति-पत्नी में लगातार विवाद रहता था। सूचना पर स्याना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। एसपी सिटी अभिषेक प्रताप अजय ने बताया कि आरोपी मोनू की गिरफ्तारी के लिए 4 टीमें गठित की गई हैं। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

रक्षा मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में राहुल कौशल नामित, विधायक ने दी बधाई

लक्ष्मीराज सिंह बोले, बुलंदशहर के लिए गर्व का विषय, हिंदी के प्रचार में देंगे योगदान

सिकंदराबाद (बुलंदशहर):- रक्षा मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में गैर-सरकारी सदस्य नामित होने पर सिकंदराबाद विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने राहुल कौशल को बधाई दी। विधायक सोमवार को उनके आवास पहुंचे और पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने कहा कि राहुल कौशल का इस समिति में नामित होना पूरे जनपद के लिए गर्व की बात है। उन्हें विश्वास है कि राहुल कौशल अपने अनुभव और कार्यकुशलता से हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, संवर्धन और राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाएंगे। विधायक ने राहुल कौशल के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। कहा कि यह दायित्व हिंदी के विकास और राष्ट्रहित में नई ऊर्जा के साथ काम करने का अवसर देगा। राहुल कौशल सिकंदराबाद के निवासी हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष दीप्ति मित्तल ने पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिला महिला चिकित्सालय में रविवार को पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ नगर पालिका परिषद बुलंदशहर की अध्यक्ष दीप्ति मित्तल द्वारा बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील दोहरे, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, शहरी टीकाकरण प्रभारी, डीयूएचसी-एनयूएचएम, एआरओ सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं वैक्सीनेटर उपस्थित रहे। अधिकारियों ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने पांच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं, ताकि उन्हें पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी से सहयोग की भी अपील की।

नजीबाबाद के रमपुरा में 11 हजार वोल्ट लाइन के फ्यूज में लगी भीषण आग, समय रहते टला बड़ा हादसा

नजीबाबाद/बुलंदशहर (सब का सना):- नगर के मोहल्ला रमपुरा में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन के फ्यूज में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की ऊंची लपटें और चिंगारियां उठने लगीं, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एहतियात के तौर पर आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। घटना की सूचना मिलते ही वार्ड सभासद मोहम्मद अच्छन राइन मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने तत्काल बिजली विभाग के अधिकारियों को सूचना देकर आपूर्ति बंद कराते हुए शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की। सूचना मिलते ही लाइनमैन रजत अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सबसे पहले प्रभावित क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद कराई गई, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई। इसके बाद कर्मचारियों ने फॉल्ट की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते बिजली आपूर्ति बंद नहीं कराई जाती, तो आग विकराल रूप ले सकती थी और जन-धन की भारी क्षति होने की आशंका थी।

बिजली विभाग की त्वरित कार्रवाई और कर्मचारियों की सतर्कता से स्थिति पर समय रहते काबू पा लिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

किचन से गायब हो रहे थे सिलिंडर, दिल्ली में सक्रिय 'सिलेंडर चोर' गैंग के तीन शातिर को पुलिस ने दबोचा

पश्चिमी दिल्ली। सागरपुर थाना पुलिस ने घरों के रसोईघरों से एलपीजी गैस सिलिंडर चोरी करने वाले एक आदतन आरोपित और उसके दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी के 10 एलपीजी गैस सिलिंडर और वारदात में इस्तेमाल की गई एक स्कूटी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, हाल के दिनों में एलपीजी सिलिंडर की किल्लत के बीच आरोपित घरों में रखे गैस सिलेंडरों को निशाना बना रहे थे। गिरफ्तार मुख्य आरोपितों में निहाल विहार निवासी दीपक उर्फ दीपु (32), पीरागढ़ी निवासी महावीर (55) और रिंकू कुमार सिंह (53) शामिल है। पुलिस के अनुसार, पिछले कुछ महीनों से सागरपुर इलाके में एलपीजी गैस सिलिंडर चोरी की लगातार घटनाएं सामने आ रही थीं। सिलिंडरों की कमी के कारण इन मामलों को प्राथमिकता पर लेते हुए एक टीम गठित की गई। दो चोरी के एलपीजी गैस सिलिंडर और वारदात में प्रयुक्त स्कूटी बरामद 24 जून को तकनीकी निगरानी और सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने नाला रोड, डाबड़ी गोलचक्कर के पास से दीपक को गिरफ्तार किया। उसकी तलाशी के दौरान दो चोरी के एलपीजी गैस सिलिंडर और वारदात में प्रयुक्त स्कूटी बरामद हुई। पूछताछ में दीपक ने चोरी की वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि चोरी के सिलिंडर उसके दो सहयोगियों के पास रखे गए हैं। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने महावीर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से छह चोरी के एलपीजी गैस सिलिंडर बरामद किए। इसके बाद रिंकू कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से दो चोरी के सिलिंडर मिले। इस तरह पुलिस ने कुल 10 चोरी के एलपीजी गैस सिलेंडर बरामद किए। चोरी के करीब 20 आपराधिक मामले पहले से दर्ज जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपित दीपक आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ मकान में चोरी, वाहन चोरी और अन्य चोरी के करीब 20 आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं।

पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपितों ने अन्य किन-किन क्षेत्रों में इस तरह की वारदातों को अंजाम दिया है और चोरी के सिलेंडरों को किसे बेचा जाता था।

दिल्ली के आईटीओ में लगे राहुल गांधी के 'गुमशुदा' पोस्टर, भाजपा ने बताया 'लीडर ऑफ पर्यटन'

नई दिल्ली। दिल्ली के आईटीओ इलाके में लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का 'गुमशुदा' पोस्टर लगाया गया है। पोस्टर में राहुल गांधी की तस्वीर के साथ बड़े अक्षरों में 'गुमशुदा' लिखा हुआ है, जिसने राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है। यह घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। फिलहाल इस पोस्टर को किसने और क्यों लगाया, इसकी कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। बता दें कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब भाजपा लगातार राहुल गांधी पर विदेश यात्रा को लेकर हमला बोल रही है। भाजपा का आरोप है कि राहुल गांधी संसद, चुनाव या पार्टी की जरूरत पड़ने पर अनुपस्थित रहते हैं और बार-बार विदेश चले जाते हैं। भाजपा का तीखा हमला भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उनके लिए एलओपी का मतलब विपक्ष के नेता नहीं बल्कि पर्यटन और पार्टी के लीडर है। पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा पर्यटन, पार्टी और यात्रा में व्यस्त रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वे लोगों, संसद और देश को प्राथमिकता नहीं देते, बल्कि पर्यटन को प्राथमिकता देते हैं। शहजाद पूनावाला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना करते हुए कहा कि मोदी 9,000 दिनों से ज्यादा समय से लगातार काम कर रहे हैं, जबकि राहुल गांधी लगातार छुट्टी पर रहते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि राहुल गांधी की विदेश यात्राएं कुछ संदिग्ध संगठनों द्वारा प्रायोजित होती हैं, जो भारत विरोधी एजेंडे को बढ़ावा देते हैं।इस मामले पर कांग्रेस की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सिर्फ तापमान नहीं, जानलेवा उमस भी बढ़ा रही खतरा; क्लाइमेट सेंट्रल की रिपोर्ट ने चौंकाया

नई दिल्ली। जब भी देश में गर्मी का प्रकोप बढ़ता है, तो अमूमन लोगों की जुबान पर एक ही सवाल होता है- 'आज पारा कितने डिग्री पहुंचा? 42 डिग्री या 45 डिग्री?' लेकिन पर्यावरण वैज्ञानिकों की मानें तो असली खतरा सिर्फ तापमान के इन आंकड़ों में नहीं, बल्कि हवा में घुली उस नमी (उमस) में छिपा है जो दिखाई नहीं देती। यही वजह है कि कई बार 38 डिग्री सेल्सियस की उमस भरी दोपहर, 44 डिग्री की सूखी गर्मी से कहीं ज्यादा जानलेवा महसूस होती है। जलवायु परिवर्तन पर शोध करने वाली संस्था 'क्लाइमेट सेंट्रल' के एक नए और चौंकाने वाले विश्लेषण के मुताबिक, दुनिया भर में ऐसी खतरनाक उमस भरी गर्मी तेजी से बढ़ रही है। यह रिपोर्ट भारत जैसे घनी आबादी वाले देश के लिए एक गंभीर रेड अलर्ट है। 50 सालों में दोगुने से ज्यादा हुए खतरनाक दिन रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि 1970 के दशक में दुनिया भर में औसतन केवल 10 दिन प्रति वर्ष ऐसे होते थे, जब गर्मी और नमी का मिश्रण मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक स्तर पर पहुंच जाता था। आज यह संख्या दोगुनी से भी अधिक बढ़कर 23 दिन प्रति वर्ष हो चुकी है। वैज्ञानिकों का निष्कर्ष बेहद चिंताजनक है- 1970 के बाद से दुनिया में दर्ज किए गए लगभग 64% खतरनाक उमस भरे दिनों के पीछे सीधे तौर पर मानवजनित जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार है। साल 2025 में तो स्थिति और भयावह दिखी, जहां कुल 23 खतरनाक उमस भरे दिनों में से 19 दिन (लगभग 83%) सीधे तौर पर ग्लोबल वार्मिंग के कारण थे। तटीय शहरों से लेकर गंगा के मैदानों तक संकट भारत के लिए यह खबर इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ की एक बहुत बड़ी आबादी पहले से ही इस दोहरी मार को झेल रही है। मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, विशाखापट्टनम और कोच्चि जैसे तटीय शहरों में अक्सर लोग कहते हैं कि 'गर्मी से ज्यादा उमस मारती है।' अब यही स्थिति मानसून के आगे-पीछे गंगा के मैदानी इलाकों (उत्तर भारत) में भी तेजी से बन रही है, जहां पसीना तो निकलता है लेकिन हवा में भारी नमी के कारण वह सूख नहीं पाता। क्यों खतरनाक है उमस भरी गर्मी? वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारा शरीर खुद को ठंडा रखने के लिए पसीना बहाता है। जब पसीना त्वचा से वाष्पित होता है, तो शरीर का तापमान कम होता है। लेकिन जब हवा में पहले से ही नमी बहुत अधिक हो, तो पसीना सूखने की यह प्रक्रिया बेहद धीमी पड़ जाती

शरीर के लिए कमाल है ऊंटनी का दूध

कहते हैं कि गाय-भैंस या बकरी का दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है, लेकिन क्या कभी आपने ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुना है अगर नहीं, तो आइए हम आपको ऊंटनी का दूध पीने के फायदे बताते हैं।

दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुनकर आप दंग रह जाएंगे। जी हां ऊंटनी का दूध न सिर्फ आपको सेहतमंद बनाता है, बल्कि आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं, तो दवा के रूप में काम करता है। शायद आपको यकीन न हो, लेकिन इसका एक उदाहरण है- राजस्थान के टोंक गांव में रहने वाले हनुमान बलि। जिसने अपनी बीमारी में कई सालों दवा पर लांखों रुपए खर्च किए, लेकिन किसी दोस्त की सलाह पर उसने ऊंटनी का दूध पीना शुरू किया और उसकी बीमारी 1 महीने में ही आसानी से कटने लगी।

ऊंटनी के दूध में ऐसे शक्तिशाली गुण होते हैं, जो आपकी कई जटिल बीमारियों को ठीक करने में मदद कर सकते हैं, क्योंकि ऊंटनी के दूध में सभी जरूरी पोषक तत्व जैसे- प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, प्राकृतिक शुगर, फाइबर, लैक्टिक अम्ल, आयरन, मैग्निशियम, अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल और कई विटामिन्स पाए जाते हैं। यह सभी पोषक तत्व शरीर को स्वस्थ और सुंदर रखने में मदद करते हैं। आइए हम आपको यहां ऊंटनी का दूध पीने के स्वास्थ्य लाभ बताते हैं।

डायबिटीज कंट्रोल करने में मददगार

यदि आप कम से कम 1 या 2 महीने भी नियमित रूप से ऊंटनी का दूध पीते हैं, तो यह आपके ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल कर डायबिटीज को नियंत्रित करने में मददगार है। ऊंटनी के दूध में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो कि ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और आपको एर्नेजेटिक रखने में सहायक है। ऊंटनी के एक लीटर दूध में कम से कम 52 से 55 यूनिट इंसुलिन की मात्रा होती है, जो अन्य किसी पशु के दूध में नहीं पाई जाती। इसलिए कई वर्षों से इसका इस्तेमाल डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है, लेकिन इसके बारे में कम ही लोग जानते हैं।

एलर्जी में फायदेमंद

यदि आपको या आपके बच्चे को फूड एलर्जी या कोई अन्य तरह की एलर्जी है, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। ऊंटनी का दूध एंटी-बैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर है। इसमें एलर्जी के साथ विभिन्न रोगों से लड़ने की क्षमता होती है। इसमें मौजूद इम्युनोग्लोबुलिन की उपस्थिति एलर्जी और उनके लक्षणों को कम करने में मददगार है।

वजन घटाना है तो पीएं ऊंटनी का दूध

आजकल तमाम लोग वजन घटाने की कोशिश में लगे रहते हैं। अगर आप भी उनमें से एक हैं, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। यह आपकी वेअ लॉस जर्नी का बेस्ट फ्रेंड बन सकता है, क्योंकि ऊंटनी का दूध प्रोटीन से भरपूर होने के साथ वसा में कम होता है, जिसका मतलब है कि यह आपको एक्सट्रा वेट को कम करने में और बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है।

ऑटिज्म का रामबाण इलाज

ऊंटनी का दूध ऑटिज्म का रामबाण इलाज है। जी हां ऊंटनी का दूध पीने से ऑटिस्टिक लक्षणों पर रोक लगाने में मदद मिलती है। ऊंटनी के दूध में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुणों की वजह से ऑटिज्म को खत्म करने में मदद मिल सकती है। एक अध्ययन में भी इस बात का जिक्र है कि ऊंटनी का दूध मंद बुद्धि बच्चों के लिए अमृत के समान है और यह ऑटिज्म के लक्षणों में सुधार कर सकता है।

मजबूत हड्डियों का सीक्रेट

ऊंटनी का दूध आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। इसमें मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूती प्रदान कर सकता है और जोड़ों के दर्द से परेशान लोगों को राहत दिला सकता है।

त्वचा के लिए बेहतर

ऊंटनी का दूध आपके खून को साफ करने, लिवर को स्वस्थ रखने और पाचन को बढ़ावा देने के साथ आपकी त्वचा में निखार लाने में मदद करता है। ऊंटनी के दूध में अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल होता है, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। यह आपकी त्वचा को सॉफ्ट बनाने के साथ त्वचा पर झुर्रियों और फाइन लाइन्स को रोकता है।

क्यों तेजी से लोग हो रहे कैंसर के शिकार? एक साल में तीन गुना बढ़े केस

देशभर में सामान्य कैंसर समेत ओरल, सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल, 2019 द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक एनसीडी क्लीनिक्स ने 2017 से लेकर 2018 के बीच कैंसर के मामलों की पहचान की है। ये रिपोर्ट बताती है कि इस एक साल के अंतराल में कैंसर के मामले 324प्रतिशत यानी तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गए हैं।

रिपोर्ट की मानें तो पिछले साल एनसीडी क्लीनिक्स में 6।5 करोड़ लोगों ने कैंसर की जांच करवाई थी, जिसमें 1।6 लाख लोगों में सामान्य कैंसर पाया गया था। यानी लोगों में सामान्य कैंसर के अलावा भी दूसरे प्रकार के कैंसर तेजी से फैल रहे हैं।

जबकि साल 2017 में कैंसर के कुल 39,635 मामले ही देखने को मिले थे। 2017 से लेकर 2018 के बीच एनसीडी क्लीनिक्स में आए कैंसर पीड़ितों की संख्या भी दोगुनी हुई है।

पहले वर्ष जहां कैंसर के कुल 3।5 करोड़ मामले देखने को मिले थे, वहीं अगले वर्ष वो बढ़कर 6।6 करोड़ हो चुके थे। विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों के बदलती लाइफस्टाइल, स्ट्रेस, खान-पान की आदतें, एल्कोहल और तंबाकू का सेवन इसकी बड़ी वजह रहा है।

कैंसर के सबसे ज्यादा मामले गुजरात से सामने आए हैं। साल 2017 में गुजरात में 3,939 कैंसर पीड़ितों की पुष्टि हुई थी। वहीं, 2018 में ये संख्या बढ़कर 72,169 हो गई। यानी गुजरात में कॉमन कैंसर के नए मामले 68,230 बढ़े हैं। गुजरात के बाद सबसे खराब हाल कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का रहा है।

रेसिपी

मेथी चमन

सामग्री

- मेथी पत्ता: 1 कप
- पालक : 1 कप
- कटा हुआ पनीर: 150 ग्राम
- हरी मिर्च: 2
- बारीक क टा प्याज: 1
- जीरा: 1 चम्मच
- सरसों तेल: 3 चम्मच
- हल्दी पाउडर : 1/4 चम्मच
- धनिया पाउडर : 1 चम्मच
- गरम मसाला पाउडर : 1/2 चम्मच

विधि

एक पैन में पानी उबालें। उसमें थोड़ा-सा नमक डालें। गैस ऑफ करें। पालक एवं मेथी को अच्छी तरह से साफ करके धो लें। उबले हुए पानी में पालक व मेथी डालें। पैन को पांच मिनट के लिए ढककर छोड़ दें। पालक व मेथी को पानी से निकालें और तुरंत ठंडे पानी से धो लें। आधा कप गर्म पानी बाद में इस्तेमाल के लिए बचाकर रख लें। ब्लेंडर में दोनों साग व हरी मिर्च डालें व पेस्ट तैयार कर लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें जीरा एवं प्याज डालें। प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर डालकर तीन से चार मिनट तक भूनें। अब साग वाली प्यूरी और नमक को कड़ाही में डालकर मिलाएं। मध्यम आंच पर चार से पांच मिनट तक पकाएं। बचा हुआ गर्म पानी कड़ाही में डालकर मिलाएं। दो-चार मिनट और पकाएं। पनीर के टुकड़े और गरम मसाला पाउडर डालकर मिलाएं। कड़ाही को ढककर तीन-चार मिनट तक सब्जी को और पकाएं। गैस ऑफ करें। रोटी या परांठे के साथ सर्व करें।

पालक कढ़ी

सामग्री

- पालक : 1/2 किलो
- दही: 1 कटोरी
- बेसन: 4 चम्मच
- मेथी दाना: 8 चम्मच
- हींग चुटकी भर
- सौंफ : 1 चम्मच
- सूखी लाल मिर्च: 4
- नमक : स्वाद के अनुसार
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- तेल: 2 चम्मच

विधि

पालक को साफ करके धो लें और बारीक काट लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें हींग, मेथी, लाल मिर्च, सौंफ और हल्दी डालें। एक दो मिनट बाद कड़ाही में पालक डालें और मध्यम आंच पर भून लें। इस बीच एक बर्तन में दही, बेसन और पानी डालकर अच्छी तरह से फेंटें। जब पालक का पानी सूख जाए तो बेसन वाला यह मिश्रण कड़ाही में डालें और लगातार चलाते हुए मध्यम आंच पर कढ़ी को पकाएं। नमक डालकर मिलाएं। जब कढ़ी गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद करें। चावल के साथ गर्मागर्म पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 3932

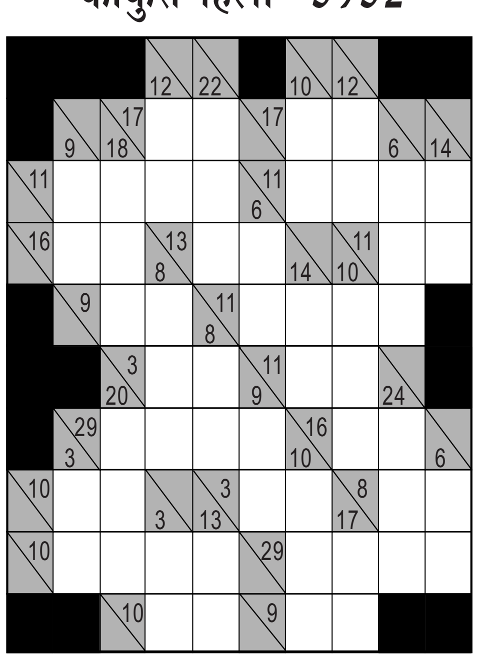

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

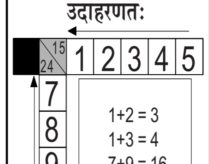

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3931 का हल

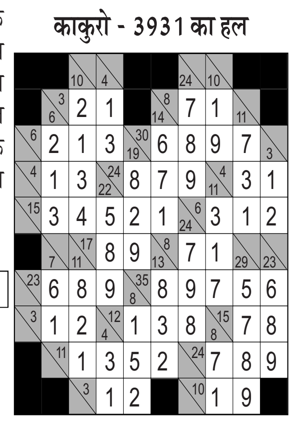

हंसी के फूव्वारें

दो प्रेस फोटोग्राफर अपने दिन भर के अनुभवों के बारे में बात कर रहे थे. एक ने कहा- 'आज सुबह मैंने चिथड़े में लिपटी हुई एक ऐसी भूखी-प्यासी औरत को देखा जो जीवन के प्रति निराश हो चुकी थी.'

'फिर तुमने उसके लिये क्या किया?'

'कल के समाचार पत्र के लिए मैंने उसका फोटो खींच लिया है.'

□ □ □

पत्नी ने पति को सम्बोधित किया- 'अजी ! सुनते हो, घर में बेटी जवान हो गई. मगर तुम्हें इसकी बिल्कुल भी चिन्ता नहीं है. '

'इस बात की चिन्ता तुमसे अधिक मुझे है, पर ढ़ंग का कोई लड़का भी तो मिले. जो मिलता है, गधा ही मिलता है.' पति ने उत्तर दिया.

'अगर मेरे बाप भी यही सोचते रहते तो मैं भी अभी तक कुंवारी बैठी रहती.' पत्नी तुनककर बोली.

□ □ □

प्रेमिका बोली: ''प्रिय ! तुम मुझे बहुत प्यार करते हो.''

प्रेमी बोला: 'हां.'

प्रेमिका बोली: 'प्रिय, शाहजहां ने मुमताज के मरने के बाद ताजमहल बनवाया था, तुम मेरे लिए क्या बनवाओगे ?'

प्रेमी बोला: 'प्लॉट खरीद लिया है बस तुम्हारी तरफ से ही देर हो रही है.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3932

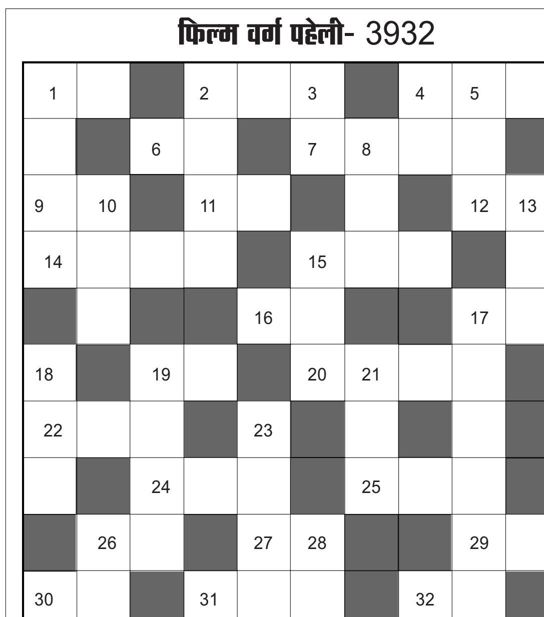

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी साँस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3931

य	स	बॉ	स		स	र	फ	रो	श
हू		बी		ह	त्या		रा	जा	
दी	पा		दे	व		डो	र		अं
	ल	म्हे		स	हे	ली		रा	ज
खा	की		औ		रा		अं	ज	लि
मो		स	र	ग	म			पू	
श	रा	फ	त			प्रि	य	त	मा
		र		मि	ली		श		ई
रो	टी		सू	ल		रॉ		खे	ल
	ना	म		न	म	की	न		व

सूडोकु - 3932

9	6	2		4	1	7		
1	4	8				6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6				3	8	7
		9	1	8		2	6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3931 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 3932

बाएँ से दाएँ

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -3931 का हल

क	म	ला	का	र			कु	रा	न	
था	न		र		कै	ला	श		भ	ला
वा			खा	विं	द		ल			य
च	म	क	ना			त		क	स	क
क		या		क	ल	क	ल		ली	
	आ	स		ल		रा		शा	म	
	रा		क	र	ता	र		म		ख
श	म	न		व			म	त	ल	ब
ह			म		दा	म	न			र
र	थ		ग	र	म		च		दा	दा
	ल	की	र			स	ली	के	दा	र

टाइपकास्टिंग से लगता है डर

एक्टर रणवीर शौरी अपनी वर्सटैलिटी के लिए जाने जाते हैं। वो अक्सर अपने किरदारों के साथ प्रयोग करते रहते हैं। एक्टर का मानना है कि उन्हें टाइपकास्ट होने से सबसे ज्यादा डर लगता है। इसीलिए वो अपने किरदारों के साथ अलग-अलग तरह का प्रयोग करते रहते हैं।

मैंने एक जैसे रोल दोहराने की कोशिश नहीं की

पीटीआई के साथ हालिया बातचीत में रणवीर शौरी ने अपने किरदारों और टाइपकास्ट होने के डर को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि मैंने कभी भी एक जैसे रोल दोहराने की कोशिश नहीं की, क्योंकि मैं फिल्म इंडस्ट्री के बाहरी दायरे में पला-बढ़ा हूं। जब से मैं एक्टर बना हूं, टाइपकास्टिंग का डर मुझे परेशान करता रहा है और इसी बात ने मेरे कई फैसलों पर असर डाला है। इसलिए हर बार मैं कुछ नया और बिल्कुल अलग करने की कोशिश करता हूं। मेरी यही कोशिश रहती है।

'पिरामिड स्कीम' में नजर आए रणवीर

रणवीर शौरी हाल ही में प्राइम वीडियो की सीरीज 'पिरामिड स्कीम' में नजर आए हैं। सात एपिसोड की यह सीरीज भारत में 'मल्टी-लेवल मार्केटिंग' और पोंजी स्कीम के नाम पर होने वाले करोड़ों के घोटालों की कड़वी सच्चाई को उजागर करती है। सीरीज की कहानी सांस्कृतिक रूप से समृद्ध हरिद्वार पर आधारित है। इसमें गोल्डी नाम के एक आकर्षक और मेहनती युवा की कहानी है जो बेहतर जिंदगी की तलाश में है, लेकिन किसी तरह पिरामिड मार्केटिंग की चकाचौंध भरी और अजीब तरह से भरोसेमंद लगने वाली दुनिया में फंस जाता है। इस सीरीज को श्रेयांश पांडे ने बनाया है और आशीष आर. शुक्ला और पांडे ने इसे डायरेक्ट किया है।

वरुण धवन की मां का रोल ऑफर होने पर ऐसा था मौनी रॉय का रिएक्शन

डेविड धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में मौनी रॉय ने वरुण धवन की नकली मां का रोल किया है। इस रोल के चलते उन्हें काफी आलोचना और सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा। लेकिन इस सबके बावजूद मौनी रॉय इस विवाद से परेशान नहीं हैं। इन बातों को नजरअंदाज करते हुए उनका कहना है कि उनका पूरा ध्यान सिर्फ डायरेक्टर की सोच के मुताबिक काम करने और उन्हें ठीक वैसा ही देने पर था, जैसा वे चाहते थे।

मुझे परवाह नहीं लोग क्या कहते हैं

बातचीत के दौरान मौनी रॉय ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर कहा कि मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकती। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि क्या शोर-शराबा हो रहा था। मुझे इसकी परवाह नहीं थी कि लोग क्या कह रहे थे। यह बात बहुत बड़ी बन गई थी कि 'मेकर्स मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकते हैं!' लेकिन मुझे पता था कि मैंने फिल्म में क्या किया है। मुझे पता था कि मेरे डायरेक्टर बहुत खुश थे और फिल्म में जिन लोगों के साथ मैंने काम किया है, वे सभी भी खुश हैं।

फिल्म का हिस्सा बनने पर जताई खुशी

फिल्म का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए मौनी ने कहा कि शुरू में अपने रोल के बारे में सुनकर मुझे भी हैरानी हुई थी। सबसे पहले कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने मुझे फोन किया था। जब उन्होंने मुझे रोल के बारे में बताया, तो मेरा पहला रिएक्शन भी यही था। मैंने कहा, 'उनकी मां?' फिर मैंने जाकर डेविड सर और फरहाद सामजी (डायलॉग राइटर) से कहानी सुनी। मैं जोर-जोर से हंस पड़ी। जरा सोचिए वरुण मनीष को फोन करके कह रहे हैं, 'मां का फोन कॉल नहीं चाहिए, पूरी की पूरी मां चाहिए। निरूपा रॉय जैसी।' और फिर सीन कट होता है और मैं अंदर आती हूं, जहां कोई जिमी सर के किरदार से कह रहा है, 'क्या यह मां के रोल के लिए थोड़ी छोटी नहीं है?'

मैं डेविड धवन की बड़ी फैन रही हूं

फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए मौनी ने डेविड धवन के लिए अपनी गहरी पसंद जाहिर की और बताया कि उन्होंने यह प्रोजेक्ट क्यों नहीं छोड़ा। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं डेविड धवन की बहुत बड़ी फैन हूं। उनकी फिल्में मेरी दोस्त जैसी हैं। उन्हें देखना मुझे सुकून देता है। उन्होंने कहा था कि यह उनकी आखिरी फिल्म होगी। साथ ही यह एक कॉमेडी फिल्म थी और मैं पहली बार कॉमेडी कर रही थी। इसलिए मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही थी। उन्होंने मुझे सभी प्रमोशन से दूर रखा। यह एक अच्छा फैसला था क्योंकि इससे लोगों में उत्सुकता जगी कि फिल्म में यह क्या कर रही है।

पर्सनल ट्रेनर 2 में नया अवतार दिखाएंगी टीना दत्ता

ओटीटी की दुनिया में नई वेब सीरीज 'पर्सनल ट्रेनर 2' को लेकर खूब चर्चा हो रही है। इसमें टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री टीना दत्ता फिटनेस ट्रेनर नेहा मल्होत्रा नाम का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि वह भूमिका से तुरंत जुड़ गईं, क्योंकि असल जिंदगी में फिटनेस उनके जीवन का अहम हिस्सा है। वह योग, जिम और पिलेट्स रोजाना करती हैं, जिससे उन्हें इस किरदार को समझने में आसानी हुई। अभिनेत्री टीना दत्ता ने कहा, ''मेरा किरदार नेहा मल्होत्रा फिटनेस की शौकीन है। उसके कई शेड्स हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, इस किरदार की असली सच्चाई और उसके अलग-अलग पहलू धीरे-धीरे सामने आते जाएंगे। यही इस भूमिका को दिलचस्प बनाता है।'' टीना दत्ता ने कहा, ''इस सीरीज में दर्शक मुझे एक ऐसे अवतार में देखेंगे, जो पहले मैंने कभी नहीं निभाया था। जैसे ही मुझे इस शो के पहले सीजन की कहानी समझ आई थी, तभी मैंने दूसरे सीजन के लिए तुरंत हामी भर दी थी। यह प्रोजेक्ट मेरे करियर में एक नया और अलग अनुभव जोड़ने वाला है।'' इस सीरीज में टीना के साथ आकांक्षा पुरी, पूनम पांडे और राहुल सुधीर जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीना दत्ता ने सीरी में काम करने के अनुभव को लेकर कहा, ''शूटिंग के दौरान मेरा अनुभव काफी अच्छा रहा, खासकर आकांक्षा पुरी के साथ काम करना मेरे लिए बेहद सुखद रहा। हम दोनों ही फिटनेस को लेकर काफी गंभीर हैं, इसलिए सेट पर अक्सर हम एक-दूसरे से वर्कआउट और हेल्थ टिप्स शेयर करते रहते थे। इससे शूटिंग का माहौल और भी सकारात्मक और ऊर्जा से भरा रहता था।''बता दें कि 'पर्सनल ट्रेनर 2' मुंबई के हाई-प्रोफाइल जिम्स की दुनिया पर आधारित है, जहां फिटनेस के अलावा, पावर गेम्स और छुपी हुई राजनीति भी चलती है।

'द बैड्स ऑफ...2' पर काम शुरू, नई टोन में तैयार हो रही स्क्रिप्ट

आर्यन खान के निर्देशन और क्रिएटिव डेब्यू प्रोजेक्ट 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के दूसरे सीजन पर शुरुआती स्तर पर काम शुरू हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स फिलहाल स्क्रिप्ट और कहानी के डेवलपमेंट फेज पर फोकस कर रहे हैं। यदि प्री-प्रोडक्शन तय समय पर आगे बढ़ता है तो सीरीज की शूटिंग 2027 की पहली तिमाही में शुरू हो सकती है। आर्यन के लिए यह प्रोजेक्ट इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने अभिनय के बजाय निर्देशन और लेखन को अपने करियर का रास्ता चुना है। सूत्रों के अनुसार, टीम दूसरे सीजन को पहले पार्ट का विस्तार भर नहीं बनाना चाहती। स्टोरीलाइन, टोन और कहानी के अलग स्ट्रक्चर पर भी काम हो रहा है ताकि शो अपनी नई पहचान बना सके। पहले सीजन की क्रिएटिव टीम से जुड़े बिलाल सिद्दीकी भी राइटिंग प्रोसेस में शामिल हैं। सीरीज के प्रोडक्शन से जुड़े कुछ बड़े फैसले शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' के अगले शेड्यूल्स के बाद लिए जा सकते हैं। फिलहाल कहानी, कास्ट और रिलीज टाइमलाइन को लेकर मेकर्स ने गोपनीयता बनाए रखी है। आर्यन भी जल्दबाजी में नहीं हैं। वह मजबूत राइटिंग के साथ ही आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं।

बचपन में जिन सितारों को देखती थी, आज उनके साथ काम कर रही हूं

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में अभिनेत्री मोना सिंह ने मेहनत और समर्पण के दम पर खास मुकाम बनाया है। इस कड़ी में मोना सिंह ने अपने सफल करियर का राज खोला है। उन्होंने बताया कि सफलता का सबसे बड़ा राज अपने काम से प्यार करना और कभी हार न मानना है। मोना सिंह ने अपने करियर के सफर को याद किया और बताया, ''मैंने हमेशा एक बात पर भरोसा किया है कि अगर इंसान की नीयत सही हो और वह अपने काम को पूरी ईमानदारी से करे, अपने हुनर को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश करे, तो उसे काम जरूर मिलता है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए सिर्फ प्रतिभा ही काफी नहीं होती, बल्कि अनुशासन और मेहनत भी उतना ही जरूरी होता है। यही बातें मुझे लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रही हैं।'' मोना ने कहा, ''मैं बचपन में जिन कलाकारों और फिल्मों को बड़े ध्यान से देखा करती थी, आज उन्हीं लोगों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। यह मेरे लिए बेहद गर्व और खुशी की बात है। जब मैं उन कलाकारों से मिलती हूं, उनके साथ शूटिंग करती हूं और उनकी आवाज में अपना नाम सुनती हूं, तो ऐसा महसूस होता है कि जैसे मेरी मेहनत सफल हो गई है। मैंने अपने करियर में जो भी हासिल किया है, वह लगातार मेहनत और धैर्य का नतीजा है।'' इन दिनों मोना सिंह कई बड़े और चर्चित प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं। हाल के समय में वह 'हैप्पी पटेल', 'बॉर्डर 2', 'कोहरा सीजन 2', 'सूबेदार' और 'मां का सम' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आई थीं। अब जल्द ही वह राजकुमार हिरानी की डेब्यू सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' में भी दिखेंगी। इस सीरीज का निर्देशन अविनाश अरुण ने किया है। वहीं, अरशद वारसी, वीर हिरानी, विक्रांत मैसी, बोमन ईरानी और मोना सिंह अहम भूमिकाओं में हैं। कॉमेडी और ड्रामा से भरपूर सीरीज 3 जुलाई को रिलीज होगी।

अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर इन एक्टर्स ने फिल्मी दुनिया में रखा कदम

बॉलीवुड के कई ऐसे सितारे हैं, जो फिल्मों से पहले अच्छी-खासी नौकरी करते थे, लेकिन उनका मुकाम वो नहीं था। इसीलिए उन्होंने नौकरी छोड़कर फिल्मों की और रुख किया। जानिए कुछ ऐसे ही सितारों के बारे में, जो पहले कुछ और थे, और अब जानी-मानी हस्ती। फिल्म इंडस्ट्री में नाम कमाना आसान नहीं होता। लेकिन कुछ ऐसे स्टार्स भी हैं, जिन्होंने अपनी अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर अपने सपनों के पीछे दौड़ लगाई और आखिरकार बड़ी सफलता हासिल की। जानिए कौन थे वो एक्टर्स, जिन्होंने नौकरी छोड़कर फिल्मी दुनिया में कदम रखा।

आयुष्मान खुराना

फिल्मों में आने से पहले आयुष्मान खुराना रेडियो जॉकी और टीवी प्रेजेंटर थे। उन्होंने एक सुरक्षित मीडिया करियर छोड़कर बॉलीवुड में कदम रखा और सफल हुए।

सोनू सूद

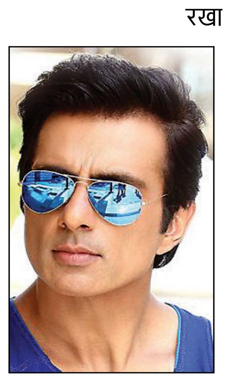

एक्टर बनने से पहले सोनू सूद ने इलेक्ट्रॉनिक्स में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और इंजीनियर के तौर पर काम भी किया। लेकिन उन्होंने यह सुरक्षित करियर छोड़कर मुंबई का रुख किया और एक्टिंग में अपना नाम बनाया।

आर. माधवन

स्टार बनने से पहले आर. माधवन पब्लिक स्पीकिंग और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट ट्रेनर थे। बाद में उन्होंने अपना करियर बदला और टीवी व फिल्मों में एंट्री की।

परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा का करियर कॉर्पोरेट दुनिया में था। वह यशराज फिल्म्स के मार्केटिंग डिपार्टमेंट में काम करती थीं, लेकिन बाद में उन्होंने एक्टिंग में डेब्यू किया।

विक्रांत मैसी

विक्रांत मैसी ने कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। उनके पास दूसरे प्रोफेशनल करियर के मौके भी थे, लेकिन उन्होंने पूरी तरह एक्टिंग पर फोकस किया और आज उन्हें काफी सराहना मिलती है।

हर्षवर्धन राणे

हर्षवर्धन राणे ने 200 रुपये लेकर मुंबई आए थे। फिल्मों से पहले वो हॉटल में वेटर के तौर पर काम करते थे, जिसके बदले में उन्हें 10 रुपये मिलते थे। इसके अलावा उन्होंने एसटीडी बूथ पर भी काम किया है। काफी समय बाद उन्हें मौका मिला और फिर एक फिल्म आई - 'सनम तेरी कसम', जिसके बाद उनकी जिंदगी बदल गई।

रणविजय सिंह

रणविजय सिंह पहले आर्मी में जाने की तैयारी कर रहे थे और उनके पास कई दूसरे करियर ऑप्शन भी थे। लेकिन MTV रोडीज ने उनकी जिंदगी बदल दी और वह टीवी पर्सनैलिटी बन गए।

तापसी पन्नू

तापसी पन्नू ने कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की है और वह सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल के तौर पर काम कर चुकी हैं। बाद में उन्होंने मॉडलिंग और फिर फिल्मों की दुनिया में कदम रखा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।